राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

समाचार गेट

वर्ष 1, अंक 116, पेज 8, मूल्य 1 रूपये | शुक्रवार, 12 जुलाई 2024 | samachargate@gmail.com | TITLE CODE: HARHIN11569

साईबर सिटी में लगेगे 10 हजार सीसीटीवी कैमरे, मार्च तक 200 इलेक्ट्रिक बसें भी मिलेंगी

समाचार गेट/एजेंसी

गुरुग्राम। विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख हरियाणा सरकार एक्टिव मोड में नजर आ रही है। बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हुई जीएमडीए की मीटिंग में प्रॉजेक्टों को हरी झंडी देने की झड़ी लगा दी गई। अहम सवाल यह है कि क्या ये प्रॉजेक्ट तय समय में पूरे हो पाएंगे। साथ ही बड़ा सवाल यह भी है कि शुरुआत से ही फंड की कमी से जूझ रहे जीएमडीए के पास इन प्रॉजेक्टों को पूरा करने के लिए फंड कहां से आएगा। हालांकि सीएम ने वित्त विभाग के अधिकारियों को किसी भी प्रॉजेक्ट में फंड की कमी न रहने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में हुई जीएमडीए की बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2887.32 करोड़ रुपये के बजट प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके अलावा बैठक में 2500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रॉजेक्टों पर भी मुख्यमंत्री ने मुहर लगा दी।जीएमडीए की ओर से इस समय 2 हजार सीसीटीवी लगाए जा चुके हैं। आने वाले समय में 10 हजार सीसीटीवी और लगाए जाएंगे। यह प्रस्ताव एजेंडे में रखा गया था। इस पर 422 करोड़ रुपये खर्च होंगे। करीब एक साल में यह काम पूरा होगा। इसमें आपराधिक मामलों के खुलासे

के लिए मुख्य चौक-चौराहों पर सीसटीवी के अलावा नंबर प्लेट रीडिंग, चेहरा पहचाने वाले और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी लगाए जाएंगे।बैठक में सेक्टर 45-46-51-52 के जंक्शन पर ट्रैफिक सुचारू रूप से चलाने के फ्लाईओवर के निर्माण को भी मंजूरी प्रदान की, जिस पर 52 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इसी प्रकार सेक्टर 85-86-89-90 के चौराहे पर 59 करोड़ की लागत से दूसरा फ्लाईओवर बनेगा।शहर में 634 करोड़ रुपये की लागत से ताऊ देवी लाल स्टेडियम को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। यहां पर इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम, एथलीट स्टेडियम, बैडमिंटन, वालीबॉल कोर्ट, लान टेनिस, ऑल वेदर स्विमिंग पुल, मिनी गोल्फ आदि की सुविधा होगी।इसके अलावा चंदू और बसई वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में 100-100 एमएलडी क्षमता बढ़ाने पर 315 करोड़ खर्च करने के प्लान को मंजूरी मिल गई। धनवापुर एसटीपी पर 650 एमएलडी तक क्षमता बढ़ाने के लिए 119 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्लान पर भी सीएम ने मुहर लगा दी।जीएमडीए की ओर से शहर में 200 इलेक्ट्रिक बसें मार्च में आएंगी। इसके अलावा 200 और बसों के लिए भी मंजूरी मिल गई।

2025 के अंत तक शहर में 600 सिटी बसें होंगी। इन बसों की खरीद के प्लान को मंजूरी दे दी गई।हाइवे 48 के साथ सेक्टर 76 से 80 तक स्टॉर्म वॉटर ड्रेन निर्माण के लिए 215 करोड़ रुपय खर्च किए जाएंगे। बहरामपुर और धनवापुर में एसटीपी की क्षमता बढ़ाने के लिए 126 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बैठक के दौरान सेक्टर 107 में दो चरणों में 100 एमएलडी क्षमता के दो एसटीपी के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये के प्रॉजेक्ट को भी मंजूरी दी। जीएमडीए के सीईओ ए श्रीनिवास ने एजेंडा सीएम के सामने रखा।

इंटरनेशनल किडनी रैकेटः लेडी डॉक्टर की गिरफ्तारी के बाद कई और शक के घेरे में

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने दो दिन पहले एक इंटरनेशनल किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया था। पुलिस ने जो बताया उसमें सबसे चौंकाने वाली बात थी इस पूरे खेल में दिल्ली-एनसीआर की एक नामी लेडी डॉक्टर का इसमें शामिल होना। लेडी डॉक्टर को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। यह लेडी डॉक्टर दिल्ली के बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल के साथ ही नोएडा में भी मरीजों को देखती थी। इस महिला डॉक्टर का नाम है डॉक्टर बिजया राजकुमारी जिसे दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। डॉक्टर के पकड़े जाने के बाद अब जांच इस बात को लेकर तेजी से आगे बढ़ रही है कि अभी तक इस रैकेट की ओर से कितनी किडनी ट्रांसप्लांट की जा चुकी है। साथ ही और कौन लोग शामिल हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है यह गैंग कुछ साल के भीतर नोएडा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में 15-16 किडनी ट्रांसप्लांट कर चुका है।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की ओर से किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट में एक डॉक्टर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद गौतम बुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से बुधवार को रिकार्ड तलब किये गए है। अब तक की पुलिस जांच में पता चला है कि इस रैकेट के तार नोएडा, दिल्ली से लेकर बांग्लादेश तक जुड़े हुए हैं। नोएडा के सीएमओ ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की टीम ने जो दस्तावेज मांगे थे उन्हें उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

2022 से अब तक किडनी ट्रांसप्लांट के कितने मामले

उन्होंने बताया कि अंग प्रत्यारोपण की अनुमति जिला स्तरीय अंग प्रत्यारोपण समिति देती है। यह अनुमति रिकॉर्ड की जांच के बाद कानूनी तरीके से दी जाती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की जांच में उनका ऑफिस पूरा सहयोग कर रहा है। दिल्ली अपराध शाखा की टीम ने वर्ष 2022 से अब तक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए दी गई तमाम अनुमतियों की जांच शुरू कर दी है।

जिसने किडनी डोनेट की वही बन गया सरगना

इस मामले में पकड़ा गया रसेल बांग्लादेश का मूल निवासी है और पूरे रैकेट की शुरूआत उसके जरिए ही होती है। साल 2019 में वह भारत आया और एक बांग्लादेशी मरीज को अपनी किडनी दान कर दी। किडनी की सर्जरी के बाद उसने यह रैकेट शुरू किया। वह इस रैकेट का सरगना भी है। आरोपी किडनी डोनेट करने वालों से 4 से 5 लाख रुपए लेते थे और फिर 20 से 25 लाख रुपये में बेचते थे। इसके अलावा हर सर्जरी के दो लाख रुपये लिए जाते थे। अधिकतर सर्जरी नोएडा में की गई साथ ही डोनर और मरीज को दिल्ली में रखा जाता था। अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस खेल में कितने लोग शामिल हैं।

शख्स एक, किरदार अनेक... मिमिक्री आर्टिस्ट वाले ठग दे रहे एआई को भी मात

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। हाय नितिन क्या कर रहे हो, मुझे 2 लाख रुपये की जरूरत है, प्लीज दे दो! लड़की की मीठी और सुरीली आवाज सुनकर झांसे में मत आ जाना, ये आपकी जान पहचान वाली लड़की नहीं है ये एक मिमिक्री आर्टिस्ट है जो आपको दिन में तारे दिखाकर कब लाखों का चूना लगा देगा आपको पता भी नहीं चलेगा। दरअसल मिमिक्री आर्टिस्ट वाले ठग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि वह एक शख्स अनेक किरदारों की आवाज निकालकर कैसे अपने जान पहचान वालों को ठग रहा है। मामला छत्तीसगढ़ के बिलासपुर का बताया जा रहा है।

मिमिक्री आर्टिस्ट ने लड़की बनकर पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को पटाया, फिर शादी का झांसा दिया और इंजीनियर से करीब 1.39 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने आरोपी को उसके खाते में हुए ट्रांजेक्शन के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एआई वॉयस के जरिए तो ठगी का धंधा तेजी से चल रहा है। लेकिन मिमिक्री आर्टिस्ट वाले ठग की कहानी सबको चौंका रही है। साथ ही सबक भी दे रही है कि अगर कोई आपका परिचित मिमिक्री आर्टिस्ट है तो उसको लेकर भी सतर्क रहें। दरअसल यह ठग भी पहले लोगों से और उनके परिचितों से जान पहचान लगाता था। फिर आवाज-आवाज बदलकर चूना लगाता था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

ठगी का ये भी गजब मामला बिहार के पूर्णिया में भी ठगी का अजब-गजब मामला सामने आया है। एक ऐसा शातिर ठग पुलिस के हत्थे चढ़ा है जो ना कोई ओटीपी, ना कोई फोन कॉल किए बिना कोई सुराग छोड़े लोगों के खातों से पैसे उड़ा लेता था। पुलिस का कहना है कि यह ठग लोगों की रजिस्ट्री के कागजात की मदद से ठगी का धंधा चला रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके पूछताछ शुरू कर दी है।

बाजार भाव

सोना ₹ 72,420

चाँदी ₹ 94,220

आज का मौसम

तापमान °

ज्यादा 40 °

कम 31 °

हंसना जरुरी है!

चेलाः बाबा, दाहिने हाथ में खुजलाहट है।
बाबाः वत्स, लक्ष्मी आने वाली हैं।
चेलाः दाएं पैर में भी खुजलाहट है।
बाबाः यात्रा योग बन रहा
चेलाः पेट पर भी खुजलाहट है।
बाबाः उत्तम भोजन की प्राप्ति होगी
चेलाः गर्दन पर भी खुजलाहट है।
बाबाः दूर हट, तुझे खुजली की बीमारी है

अब 4 बीवियां नहीं रख पाएंगे मुस्लिम, बिना तलाक भी देना होगा गुजारा भत्ता

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत मुस्लिम महिला के भी अपने शौहर से गुजारे-भत्ते की मांग करने का जायज ठहराया है। इस फैसले ने 1985 के शाहबानो बेगम मामले में दिये गए शीर्ष अदालत के ऐतिहासिक निर्णय की यादें ताजा कर दीं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के धर्मनिरपेक्ष प्रावधान के तहत मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का भत्ता देने का विवादास्पद मुद्दा 1985 में राजनीतिक गलियारों में गूंजा था। उस वक्त मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम मामले में संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह फैसला सुनाया था कि मुस्लिम महिलाएं भी गुजारा भत्ता पाने की हकदार हैं। तलाकशुदा पत्नी द्वारा मांगी जा रही भरण-पोषण राशि के संबंध में धर्मनिरपेक्ष और ह्यपर्सनल लॉह्ण के प्रावधानों के बीच कोई टकराव है, तो भी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 का प्रभाव सर्वोपरि होगा।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि शाहबानो मामले के फैसले में यह कहा गया था कि जो मुस्लिम महिला तलाक दिए जाने या तलाक मांगने के बाद अपने गुजारे-भत्ते में सक्षम नहीं है, वो अपने पति से गुजारा-भत्ता मांगने की हकदार है। आइए, लीगल एक्सपर्ट से समझते हैं इस धारा के बुनियादी पहलुओं के बारे में।

क्या है धारा 125, जिसमें भरण-पोषण नहीं देने पर जेल

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार, दंड प्रक्रिया संहिता दंड प्रक्रिया संहिता धर्मनिरपेक्ष है। आपराधिक मामलों में कानून धर्मनिरपेक्ष है। पर्सनल लॉ ऐसे मामलों में बेअसर है। दंड प्रक्रिया संहिता का एक सेक्शन है 125। इसमें बीवी अगर सक्षम नहीं है तो वह अपने पति से भरण-पोषण मांग सकती है। इस धारा के तहत मां भी अपने बेटे से भरण-पोषण मांग सकती है। यह कानून हर धर्म के लोगों पर लागू है। इसमें मुस्लिम महिला भी आती है, वो भरण-पोषण मांग सकती है।

अगर पति भरण-पोषण देने से इनकार करता है तो उसे हर महीने के हिसाब से सजा होगी। यानी जिस महीने वह भरण-पोषण नहीं देगा, उसे 1 महीने की जेल होगी। ऐसा तब तक करना होगा, जब तक कि उस व्यक्ति की बीवी तलाक लेकर दूसरी शादी न कर ले। यहां तक कि बिना तलाक के भी मुस्लिम महिला गुजारा भत्ता मांग सकती है। अगर उसे लगता है कि दूसरी बीवी से शादी के बाद उसका पति उसकी उपेक्षा करता है तो वह अपने लिए भरण-पोषण का दावा कर सकती है।

यूनिफॉर्म सिविल कोड से परहेज क्यों

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार, कोई भी आपराधिक मामला सभी धर्मों पर समान है। आपराधिक मामलों में कॉमन सिविल कोड ही लागू होता है। जैसे- घरेलू हिंसा के मामले भी आपराधिक मामलों के तहत ही डील किए जाते हैं।

वहां भी पर्सनल लॉ मान्य नहीं है। यह कानून शुरू से ही है। सीआरपीसी की धारा 125 धर्मनिरपेक्ष धारा है। चूंकि, वह आपराधिक धारा है, इसीलिए मुस्लिम तलाक या घरेलू हिंसा के मामलों में इस कानून का विरोध करते हैं। उन्हें ये डर है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होने से मुस्लिम महिलाएं ज्यादा ताकतवर हो जाएंगी और कोर्ट के जरिए अपना हक ले लेंगी।

क्यों मुस्लिम पुरुष इसका करते हैं विरोध

समाचार गेट/अंतराम

मुस्लिम पुरुष कॉमन सिविल कोड का यह कहकर विरोध करते हैं कि हमारे पर्सनल लॉ में तलाक के मामलों को लेकर व्यवस्था दी गई है। मगर, उनकी बात इसलिए नहीं मानी जा सकती है, क्योंकि आने वाले समय में वो आपराधिक मामलों में भी पर्सनल लॉ लागू करने की डिमांड कर सकते हैं। मुस्लिम पुरुष समुदाय इस बात से डरता है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के आने से मुस्लिम महिलाएं ताकतवर हो जाएंगी। वो गुजारे-भत्ते की

पहली बीवी बिना तलाक दिए ही पर्याप्त गुजारा-भत्ता मांग सकती है। वह शौहर के साथ रहकर भी उससे खर्चा मांग सकती है

मांग कर सकती हैं। घरेलू हिंसा में शौहर को जेल पहुंचा सकती हैं। जबकि शरिया में इस तरह का खास प्रावधान नहीं है। मुस्लिम पुरुषों का मनमानापन खत्म हो जाएगा। पहली बीवी को गुजारा-भत्ता दिए बिना दूसरी बीवी ला सकते हैं। जबकि सेक्शन 125 उनके इस मनमानेपन पर लगाम लगा सकता है। पहली बीवी बिना तलाक दिए ही पर्याप्त गुजारा-भत्ता मांग सकती है। वह शौहर के साथ रहकर भी उससे खर्चा मांग सकती है। जबकि पर्सनल लॉ में शौहर ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं है।

यूनिफॉर्म सिविल कोड से क्या बदल जाएगा?

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड आने पर यह मुस्लिम समुदाय के सिविल मामलों में भी लागू हो जाएगा। चार बीवियां नहीं रख पाएंगे। ज्यादा बच्चे पैदा करने पर भी खुद ही रोक लग जाएगी। प्रॉपर्टी का विवाद खत्म हो जाएगा। मुस्लिम महिलाओं को भी पति की प्रॉपर्टी में बराबर का हक हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यानी सीआरपीसी की धारा 125 सब पर अप्लाई होगा। इससे मुस्लिमों के शरिया कानून पर चोट पहुंचती है।

मुस्लिम महिला अधिनियम में इद्दत की अवधि रखती है मायने

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत भरण-पोषण से संबंधित कई प्रावधान किए गए हैं। इस कानून के मुताबिक, मुस्लिम बीवी को इद्दत की अवधि तक मदद पाने का हक है। यानी एक पति का अपनी पत्नी के प्रति दायित्व इद्दत की अवधि के अंत तक जारी रहता है। वहीं इद्दत की अवधि खत्म होने के बाद महिला खुद का भरण-पोषण करने में असमर्थ है तो वह अपने उन रिश्तेदारों से जो उसकी मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति प्राप्त करने के हकदार होंगे से उचित और समान भरण-पोषण की मांग कर सकती है।

एडवोकेट शिवाजी शुक्ला के अनुसार, इस्लाम में इद्दत या इद्दाह अरबी भाषा का शब्द है, जो वहीं से आया है। इसका सीधा से मतलब है इंतजार का वक्त। यानी किसी महिला के तलाक या उसके पति की मृत्यु के बाद की वह अवधि इद्दत कहलाती है, जिसका पालन करना उस महिला के लिए अनिवार्य है। इस अवधि के दौरान वह किसी अन्य पुरुष से शादी नहीं कर सकती है। इसका मुख्य मकसद तलाक की स्थिति में या पूर्व पति की मृत्यु के बाद पैदा हुए बच्चे के पितृत्व के बारे में किसी भी प्रकार के संदेह को दूर करना है। इद्दत परिस्थितियों के मुताबिक अलग-अलग हो सकती है। ज्यादातर मामलों में एक तलाकशुदा महिला की इद्दत की अवधि तकरीबन 130 दिनों की होती है। इस दौरान उस महिला के निकाह करने पर पाबंदी होती है। अगर कोई महिला तलाक होने या विधवा होने के बाद गर्भवती है तो इद्दत तब तक जारी रहती है जब तक वह बच्चे को जन्म ना दे दे।

प्रॉपर्टी में महज 6 फीसदी हक, कैसे होगा गुजारा

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार मुस्लिम समुदाय में प्रॉपर्टी के मामलों में भी महिलाओं को अधिकार नहीं है। अभी शरिया के मुताबिक, मुस्लिम महिला को संपत्ति में महज 6 फीसदी ही हक है। बीवी को अपने शौहर की प्रॉपर्टी का सिर्फ 6 फीसदी ही हिस्सा होता है। वहीं बेटे का हिस्सा 45 फीसदी, जबकि बचे हुए हिस्से में बेटियों समेत बाकी लोगों का हिस्सा होगा। ऐसे में जो बीवी अपना गुजारे-भत्ते में सक्षम नहीं है, उसका 6 फीसदी में क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट कर चुका है कॉमन सिविल कोड की वकालत

राजीव गांधी सरकार स्थिति को साफ करने की कोशिश के तहत मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 लाई, जिसमें तलाक के समय ऐसी महिला के अधिकारों को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने 1986 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता को 2001 में डेनियल लतीफी मामले में बरकरार रखा था।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया कैसे मिलेगा बराबरी का दर्जा

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को परिवार में घरेलू महिलाओं की भूमिका की अहमियत पर अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिरता के लिए व्यवहारिक कदम उठाने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय मर्द होममेकर्स की भूमिका को समझें। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मुस्लिम महिला की ओर से गुजारे भत्ते की मांग पर यह बात कही। और ऐसे मामलों में धर्म मायने नहीं रखता है।

क्या कहता है मुस्लिम पर्सनल लॉ, 1937

कानून के विशेषज्ञों के अनुसार मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 मुस्लिमों के पर्सनल मैटर को डील करता है। इस्लामी कानून के तहत मुस्लिम महिलाएं अपने शौहर से नफकाह यानी गुजारा-भत्ता मांग सकती हैं। हालांकि, उसकी कई शर्तें हैं। इस कानून के तहत हर वो तलाक ले चुकी मुस्लिम महिला जिनका निकाह मुस्लिम कानून के तहत हुआ है, वह गुजारे-भत्ते की हकदार है। नफकाह के तहत रोटी कपड़ा और मकान इन सभी खर्चों को शामिल किया जाता है। अगर निकाह अमान्य है, अनियमित है तो पति नफकाह देने के लिए बाध्य नहीं है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार कर रही सरकार : चौधरी जाकिर हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

सपना पात्र परिवारों का ही नहीं बल्कि उनके स्वयं का सपना पूरा हो रहा है। उन्होंने आमजन से प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आह्वान भी किया

नूंह। हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक चौधरी जाकिर हुसैन ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार अंतोदय की भावना पर काम करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार कर रही है। चौधरी जाकिर हुसैन आज लघु सचिवालय के सभागार में राज्य सरकार की स्वामित्व योजना के तहत जिला नूंह के लाभार्थियों को प्रॉपर्टी सर्टिफिकेट और कनवेंस डीड वितरित करने के बाद उपस्थित लाभार्थियों व उनके परिजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने योजना के सभी लाभार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। उपस्थित लोगों को चौधरी जाकिर हुसैन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का संदेश पढक- र भी सुनाया। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में सभी लाभार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि स्वामित्व योजना के तहत राज्य सरकार ने लाल डोरा मुक्त करते हुए लोगों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिलवा दिया है। इस संपत्ति के आधार पर संबंधित परि- वार न केवल बैंक लोन ले सकेगा बल्कि अपनी संपत्ति को जरूरत पड पर बेच भी सकता है। इसी प्रकार से शहरी क्षेत्र के लोगों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक दिलाया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि आज उन्हें ऐसा लग रहा है कि यह । कार्यक्रम में नगर परिषद नूंह के 72, नगर पालिका तावडू के 5, नगर पालिका फिरोजपुर झिरका के 8 तथा नगर पालिका पुन्हाना के 9 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए। इसी प्रकार से लाल डोरा के अंदर आने वाले जिला के 40 लोगों को कनवेंस डीड प्रदान की गई। इन 40 लोगों में प्रत्येक नगर पालिका के 10- 10 लाभार्थी शामिल है। चौधरी जाकिर हुसैन ने कहा कि भाजपा की पहली ऐसी सरकार है, जिसने असंभव कार्यों को संभव कर- के दिखाया है। उन्होंने कहा पिछली सरकार कहा करती थी कि लोगों को उनके मालिकाना हक नहीं मिल सकता। लेकिन मौजूदा सरकार ने यह करके दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान मेवात के विकास पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। लेकिन मौजूदा सरकार ने मेवात के विकास के लिए करोड़ों रुपए की परियोजनाएं दी है।

उन्होंने बताया कि 71 गांव के लिए बनाई गई 306 करोड़ रुपए की रेनीवेल परियोजना का टेंडर हो गया है।अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने इससे पहले आए हुए मेहमानों का स्वागत किया और योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर नगर पालिका नूंह के चेयरमैन संजय मनोचा तथा फिरोजपुर झिरका नगर पालिका के चेयरमैन मनीष जैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

विधायक दीपक मंगला ने पलवल के शहरी क्षेत्र में रहने वाले 50 सम्पत्ति धारकों को सम्पत्ति प्रमाण-पत्र किए वितरित

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवल के विकास करवाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। विधानसभा क्षेत्र का चहुंमखी विकास कार्य तेज गति के साथ करवाए जा रहे हैं। यह वक्तव्य विधायक दीपक मंगला ने गुरुवार को नगर परिषद पलवल के कार्यालय में शहरी क्षेत्रों में लाल डोरे के मालिकों को स्वामित्व पत्र वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

विधायक दीपक मंगला ने नगर परिषद पलवल के कार्यालय में आयोजित समारोह में शहरी क्षेत्र में रहने वाले भू-स्वामियों को नगर परिषद पलवल व होडल तथा नगर पालिका हथीन के करीब 50 लाभार्थियों को स्वामित्व पत्र वितरित कर शुभकामना संदेश दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरियाणा प्रदेश में नगर परिषद, निगम व पालिका के शहरी क्षेत्र में लाल डोरे में रहने वाले भू-स्वामियों को स्वामित्व पत्र तथा मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के अंतर्गत मकान मालिकों को रजिस्ट्री प्रदान करने के कार्यक्रम का मानेसर नगर निगम कार्यालय के समीप खुले मैदान से सीधा प्रसारण भी दिखाया गया।

विधायक दीपक मंगला ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का शहरी क्षेत्रों में लाल डोरे के मालिकों को स्वामित्व पत्र देने पर उनका हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में समान रूप से सबका साथ-सबका विकास की तर्ज पर चहुंमुखी विकास कार्य करवा रहे हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

स्वामित्व पत्र वितरण समारोह में नगर परिषद पलवल के चेयरमैन यशपाल, वाइस चेयरमैन मनोज बंधु, मुकेश सिंगला, नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुनिल कुमार, होडल नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी मनेंद्र सिंह, हथीन नगर पालिका के सचिव देवेंद्र, कार्यकारी अभियंता सतपाल, सहित पार्षदगण और योजना के लाभार्थी समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 173 लोगों की हुई जांच

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

नूंह। जिला नूंह के गांगोली गांव में गुरुवार को भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) सीएसआर पहल के तहत विसनोली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान (बीएसजीएसएस) ने स्वास्थ्य शि- विर का आयोजन किया। यह शि- विर जिले में एनीमिया के खतरे से निपटने के लिए जारी प्रयासों के तहत आयोजित किया गया। चिकित्सा पेशेवरों की एक टीम ने सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक गंगोली में ओपीडी के लिए 110 लोगों की एनीमिया और 173 लोगों की जांच की। सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ, रक्त परीक्षण किया गया और बीपी और ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर की जांच की गई। लोगों में एनीमिया की जांच पर जोर दिया गया। लाभार्थियों को एनीमिया के कारण होने वाली जटिलताओं और उससे निपटने के लिए समय पर उपचार की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। डॉक्टरों ने लोगों को नियमित रूप से आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) लेने के अलावा पौष्टिक आहार लेने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया। इसी प्रकार, लक्ष्य क्षेत्र में एनीमिया उन्मूलन के हिस्से के रूप में लोगों को नियमित अनुवर्ती कार्रवाई, कृमि मुक्ति, व्यवहार परिवर्तन, लोहे के बर्तनों का उपयोग आदि के बारे में जागरूक किया गया। शिविर में लाभार्थियों के बीच आवश्यक दवाओं के अलावा पोषण किट और इम्युनिटी बूस्टर पैक का वितरण किया गया। लोगों को संतुलित आहार और कम लागत वाले घर में बने पौष्टिक भोजन का पालन करने के बारे में खासकर युवा और गर्भवती माताओं को भी जागरूक किया गया स्वतंत्र निदेशक डॉ ऐश्वर्या बिस्वाल, अपर्णा पांडे और राजन ने बीपीसीएल का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान जिला परिषद सी- ईओ नूंह अमित गुलिया भी उपस्थित रहे। साथ ही एम्स की एक टीम भी मौजूद थी। नंदिता बक्शी, सीईओ, जेएन राय, निदेशक-परियोजनाएं, इस कार्यक्रम में निदेशक-संचालन अनूप कुमार, बीएसजीएसएस के चिकित्सा सलाहकार डॉ. कृपा शंक- र गुप्ता ने भाग लिया। इस पहल को जिला प्रशासन, एसएमओ और गांव निवासियों से भारी समर्थन मिला।

सौर ऊर्जा ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए किसान 25 जुलाई तक सरल पोर्टल पर करें आवेदन : अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि नवीनीकरण ऊर्जा विभाग हरियाणा के जिला नूंह के किसान 6 श्रेणियों के 3 एचपी, 7.5 एचपी व 10 एचपी केसोलर ऊर्जा पम्प 75 प्रतिशत अनुदान पर लगवाने हेतु हरियाणा सरकार के पोर्टल पर 11 जुलाई से 25 जुलाई तक आवेदन कर सकते है। इसके अतिरिक्त बिजली आधारित कनेक्शन (डीएचवीवीएन) के मौजूदा आवेदकों को सौर ऊर्जा पम्प के कनैक्शन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी, बशर्ते उनको अपने मौजूदा बिजली कनैक्शन का समर्पण करना पड़ेगा। एडीसी प्रदीप कुमार ने बताया कि ऑनलाईन आवेदन करने के लिए सभी किसानों को आवश्यक दस्तावेज जैसे परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है एवं आवेदक के नाम पर बिजली आधारित पम्प न हों, आवेदक के नाम पर कृषि भूमि की जमाबन्दी, फर्द होना आवश्यक है किसान अपने खेत में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे टपका फव्वारा सिंचाई या भूमिगत पाईप लाईन स्थापित हो या पम्प लगाने से पहले स्थापित कर लेगें (प्रमाण पत्र/शपथ पत्र), अपलोड करना अति आवश्यक है। हरियाणा जल संसाधन प्राधिकरण के सर्वेक्षण के अनुसार उन गांवों में जहां भूजल स्तर 100 फीट से नीचे चला गया है सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना अनिवार्य है, अन्य को भूमिगत पाईप लाइन या सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को लगाना अनिवार्य होगा।

अधिकारी शिकायतों को तुरंत निपटाये: उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शि- विर में प्राप्त हो रही शिकायतों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित किया जाये। मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा समाधान शिविर में प्राप्त हो रही शिकायतों के निपटारे की स्वयं समीक्षा की जा रही है। सभी अधिकारी लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निपटाये।

वीरवार को समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने प्राप्त शिकायतों पर उपस्थित अधिकारियों को निपटारे के लिए सौंपा गया।

प्रदीप सिंह मलिक ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों की सुनवाई की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सर- कार द्वारा समाधान शिविर में प्राप्त हो रही शिकायतों का तुरंत निपटारा करने के निर्देश जारी किये गए है।

अधिकारी समाधान शिविर में पहुंच रहे लोगों की शिकायतों को गंभीरता से तुरंत निपटाये।अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रति कार्य दिवस सुबह 9 से 11 बजे तक जिला एवं उपमंडल मुख्यालय पर समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। इन शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहते है ताकि शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जा सके।

यूनिवर्सिटी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राज नेहरू ने जम्मू एवं कश्मीर के चीफ सेक्रेटरी के सामने रखा मॉडल

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मॉडल पर जम्मू एवं कश्मीर में स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित होगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू जम्मू एवं कश्मीर की स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना में अहम भूमिका निभाएंगी। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य सचिव अटल दुल्लू की अध्यक्षता में कुलपति डॉ. राज नेहरू के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इस बैठक में स्किल डेवलपमेंट और एजुकेशन से जुड़े कई आला अधिकारी शामिल हुए।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने जम्मू एवं कश्मीर में स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दी है। इसमें स्किल यूनिवर्सिटी के मॉडल पर विस्तार से चर्चा की गई है। देश की पहली गवर्नमेंट स्किल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति डॉ. राज नेहरू ने उच्चतर शिक्षा में कौशल का इंटीग्रेटेड मॉडल विकसित किया है। इसी के मद्देनजर जम्मू एवं कश्मीर में स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए उनके विशिष्ट अनुभव हेतु वहां के चीफ सेक्रेटरी द्वारा उन्हें आमंत्रित किया गया है।

कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि जम्मू एवं कश्मीर शासन श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ एक तालमेल स्थापित करेगा। इसके अंतर्गत वहां के स्किल गैप का मूल्यांकन किया जाएगा। विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने के उद्देश्य से जम्मू एवं कश्मीर के अधिकारियों द्वारा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का दौरा करने और विश्वविद्यालय की फैकल्टी द्वारा परस्पर उनके साथ तालमेल करने पर सहमति बनी है। दोनों पक्ष मिल कर जम्मू एवं कश्मीर की स्किल यूनिवर्सिटी का कॉन्सेप्ट नोट तैयार करेंगे।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल की तर्ज पर एक स्किल स्कूल स्थापित करने की संभावनाओं का भी पता लगाया जाएगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप देश का पहला इनोवेटिव स्किल स्कूल स्थापित किया है। यूनिवर्सिटी, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के साथ ऐसे स्किल आधारित संस्थान स्थापित करने के लिए नियमावली भी तैयार की जाएगी। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने बताया कि जम्मू एवं कश्मीर में मॉडल स्किल स्कूल स्थापित करने के लिए एक सशक्त नीति बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू एवं कश्मीर में स्किल इकोसिस्टम तैयार करने की रणनीति बनाने और उसे धरातल पर लाने के लिए योजना बन रही है। निकट भविष्य में इसके सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि देश का पहला राजकीय कौशल विश्वविद्यालय होने के नाते हम जम्मू एवं कश्मीर शासन को हर तरह का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कौशल भारत कुशल भारत के नारे को साक- ार करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि देश के कई अन्य राज्यों को भी कौशल विश्वविद्यालय एवं इनोवेटिव स्किल स्कूल स्थापित करने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने अपनी सार्थक भूमिका निभाई है। देश में स्किल इकोसिस्टम तैयार करने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

बैठक में जम्मू एवं कश्मीर स्किल डेवलपमेंट मिशन के डायरेक्ट, स्किल डेवलपमेंट डायरेक्टर, कौशल विकास निदेशालय के संयुक्त निदेशक और डिपार्टमेंट ऑफ स्किल डेवलपमेंट के संयुक्त निदेशक सहित कई आला अधिकारी उपस्थित थे।

रक्तदान से बढ़कर नहीं है कोई दान : उपायुक्त

समाचार गेट/अनिल मोहनिया

उपायुक्त-कम- जिला रैड क्रॉस सोसायटी नूह के अध्यक्ष धीरेंद्र खड़गटा तथा सचिव महेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में जिला रैड क्रॉस सोसायटी नूंह दिन प्रतिदिन जन कल्याण की गतिविधियों को संचालित कर रही है। वीरवार को हरियाणा राज्य रैड क्रॉस चंडीगढ़ के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे एक स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन रैड क्रॉस भवन में किया। शिविर का शुभारंभ जिला रैड क्रॉस सोसायटी नूंह के सचिव महेश गुप्ता एवम वीरपाल कालियाका रैड क्रॉस सोसायटी के लाइफ मेंबर ने किया। शिविर में संस्था के लाइफ मेंबर्स ने सभी रक्तदाताओं को रक्तदाता बैज लगाते हुए उनका उत्साहवर्धन किया साथ ही उन्होंने सभी को जागरूक करते हुए बताया की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं और ये दान अमूल्य होता है। सभी आमजन को सोचना चाहिए कि आने वाली पीढ़ी को हम क्या देंगे। सभी को रक्तदान करते हुए किसी भी अनजान की जिंदगी बचाने का मौका मिलता है । जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने बताया कि हर वह जिसकी उम्र 18 वर्ष हो उसका वजन 45 किलो से अधिक, उसका ह्यूमोग्लोबिन 12.5 ग्राम हो तथा वह नियमित तौर पर दवाईयां न खाता हो वह युवा एवम व्यक्ति 90 दिनों के अंतराल तथा महिला 120 दिनों के बाद पुन रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान अपने जन्मदिन, बुजुर्गों की पुण्यतिथि, शादी की सालगिराह तथा महापुरुषों की जयंती तथा शहिदी दिवस पर रक्तदान किया जा सकता है। शिविर के सफल आयोजन में संस्था की आजीवन सदस्य मीना कुमारी, राजेश शर्मा, नरेश डागर एवम ब्लड बैंक इंचार्ज स्वाति यादव का अहम योगदान रहा।

ओवरलोड ट्रक वाले ने चौकी इंचार्ज पर जान से मारने की नीयत से ट्रक चढ़ाने का प्रयास किया

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। पुलिस नाके पर ओवरलोड़ ट्राला को रोकना उस समय पुलिस के लिए भारी पड़ गया, जब ट्राला चालक ने मौके पर मौजूद एएस- ाआई को जान से मारने की नियत से ट्राला को उसपर चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों की मदद से ट्राला चालक को पकड़ लिया, जबकि परिचालक भाग गया। होडल थाना पुलिस ने ट्राला चालक व परिचालक के खिलाफ सरकारी कार्या में बाधा पहुंचाने व हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी तेजपाल ने बताया कि एएसआई विरेंद्र सिंह ने दी तहरीर में कहा है कि वह अपनी टीम के साथ पुलिस चौकी के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस को ओवरलोड ट्राला आते हुए दिखाई दिए तो पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। ट्राला चालक ने अपना ट्राला नाके से कुछ आगे रोक लिया तो पुलिस उसके कागजातों को चैक करने लगी। इसी दौरान दूसरा ट्राला उस रुके हुए ट्राला के पीछे रुके ट्राला चालक के पास होमगार्ड विष्णु पहुंचा तो उसने अपने ट्राला को चैक कर दूस- री साइड दौड़ा दिया और उसे (एएसआई को) टक्कर मारने का प्रयास किया। एएसआई ने अपने दोनों हाथ ट्राला के सामने लगे बम्फर पर लगाये और उल्टे कदम पुन्हाना मोड़ की तरफ भागने लगा और बडी मुश्कील से अपनी जान बचाई। यह देख वहां लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और भाग रहे ट्राला को थोड़ी आगे रोक लिया। ट्राला के रुकते ही परिचालक भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गया, जबकि चालक ने जब भागने का प्रयास किया तो लोगों की भीड़ व होमगार्ड विष्णु ने उसे पकड़ लिया। ट्राला चालक ने अपना नाम पता नंगला अहसानपुर निवासी तालीम बताया।

समाचार गेट
TITLE CODE: HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रबीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर-6 नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, निवर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक, कृष्णा शर्मा। सम्पादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, निवर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः ब्रह्मदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : samachargate@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

फर्जी वेबसाइट बनाकर विदेश भेजने वाले आरोपी को साइबर थाना बल्लबगढ़ की टीम ने किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लबगढ़ की टीम फर्जी वेबसाइट बनाकर विदेश भेजने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम सुशील कुमार है जो जींद जिले के सेक्टर 11 का रहने वाला है। दिनांक 30 जून 2024 को साइबर थाना बल्लबगढ़ में धोखाधड़ी की धाराओं के अंतर्गत साइबर थाना बल्लबगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी सुशील ने जेसी बॉस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की एक फर्जी वेबसाइट बनाई थी जिसमें आरोपी को जींद जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी यूफोरिक ओवरसीज नाम से एक संस्था चलाता है जो स्टडी वीजा पर छात्रों को विदेश भेजने पर काम करता है। आरोपी ने एक छात्र को विदेश भेजने के लिए उसकी जेसी बोस यूनिवर्सिटी की फर्जी डिग्री तैयार की और उस फर्जी डिग्री की पुष्टि के लिए फर्जी वेबसाइट बनाई थी ताकि यदि कोई उसे वेबसाइट पर जाकर डिग्री की सत्यता जानना चाहे तो उसे डिग्री असली प्रतीत हो। छात्र को भी यह विश्वास हो जाए कि यह डिग्री असली है। फर्जी डिग्री को जब्त करके पुलिस द्वारा आरोपी से मामले में जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आएगा कि आरोपी ने इससे पहले कितने लोगों के साथ ठगी के वारदात को अंजाम दिया है और उसके पश्चात पुलिस द्वारा कानून के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

देसी पिस्तौल सहित आरोपी को अपराध शाखा 30 की टीम ने किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाख 30 की टीम ने देसी पिस्तौल सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पीयूष आगरा का रहने वाला है जो फिलहाल फरीदाबाद के खेड़ीपुल एरिया में रह रहा था। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर खेड़ीपुल एरिया से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ थाने में शस्त्र अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया आरोपी देसी पिस्तौल को हवा बाजी करने के लिए एक सप्ताह पहले अपने दोस्त से लेकर आया था। आरोपी रियल एस्टेट कंपनी में ड्राइवरी का काम करता है। आरोपी पर तीन दिन पहले हत्या के प्रयास का एक और मुकदमा खेड़ीपुल थाने में दर्ज हुआ है जिसमें आरोपी के साथ तीन साथी और शामिल थे। पुलिस द्वारा आरोपी को अदालत में पेश करके हत्या के प्रयास के मामले में रिमांड पर लिया जाएगा और उसे मामले में शामिल आरोपियों की धरपकड़ की जाएगी।

नशा तस्करी के मामले में क्राइम ब्रांच बॉर्डर ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर 22.47 ग्राम स्मैक की बरामद

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा बॉर्डर की टीम ने नशा तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम साहिल है जो उत्तर प्रदेश के बरेली का रहने वाला है और फिलहाल दिल्ली के जैतपुर में रह रहा है जो दिल्ली फरीदाबाद बॉर्डर पर स्थित है। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को सराय एरिया से अवैध नशे सहित काबू किया था। आरोपी के कब्जे से 22.47 ग्राम स्मैक बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ थाने में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज करके पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी दिल्ली से किसी व्यक्ति से यह नशा खरीदकर लाया था। मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी के साथियों के बारे में जानकारी हासिल करके उनकी धरपकड़ की जाएगी।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। महिला थाना बल्लबगढ़ की टीम में नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हिमांशु उर्फ लड्डू तथा मनोज का नाम शामिल है। आरोपी हिमांशु पलवल के मानपुर गांव का रहने वाला है जो गांव जवां में अपनी बुआ के पास आया हुआ था। वहीं आरोपी मनोज जवां गांव का निवासी है। इस मामले में आरोपी हिमांशु की बुआ का लडका नरेश निवासी जवां भी शामिल है जो फरार चल रहा है जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। पीड़ित के परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार 1 जुलाई की सुबह करीब 10.30 बजे आरोपी मनोज ने अपने पड़ोस में रहने वाली 14 वर्षीय दो लड़कियों को बहाने से अपने घर पर बुलाया और आरोपी हिमांशु तथा नरेश ने उनके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए और अपना मोबाइल बंद कर लिया। 2 जुलाई को पीड़ित के परिजनों की शिकायत के आधार पर थाना में पोक्सो एक्ट की धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश के लिए लगातार रेड डाली गई। महिला पुलिस ने मामले में कड़ी मेहनत करते हुए उक्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा मामले में जांच की जा रही है जिसने वारदात में प्रयोग मोबाइल फोन बरामद किया जाएगा। साथ ही आरोपियों से उनके साथी के बारे में जानकारी हासिल करके उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ नये बूथों के गठन को लेकर किया मंथन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत नये बूथों के गठन व वोट बनवाने के कार्य को लेकर उपायुक्त विक्रम सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गंभीरता से मंथन किया। उन्होंने कहा कि लगभग 1400 मतदाताओं तक के बूथ रखे जायेंगे। ऐसे में आवश्यकतानुसार करीब 170.180 नये बूथों का गठन किया जाएगा।

लघु सचिवालय में वीरवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त विक्रम सिंह कर रहे थे। उन्होंने बताया कि अभी तक फरीदाबाद में करीब 1572 बूथ हैं, जिनमें अब मतदाताओं की सुविधा के लिए बढ़ोतरी की जाएगी। इसके लिए सहायक निर्वाचन अधिकारियों ने आवश्यकता व संभावनाओं को तलाशा है। बूथ रेशनेलाइजेशन के तहत बुथों की संख्या में वृद्धि की जाएगी, ताकि मतदाताओं को बूथों पर लंबी लाइन से राहत मिल सके।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि एक ही स्थान पर तीन बूथ हैं, जिनमें दो बूथों में 1400-1400 मतदाता से अधिक की संख्या हैं और तीसरे बूथ में कम है तो ऐसे में तीसरे बूथ में दोनों बूथों से निर्धारित संख्या से ऊपर के मतदाताओं को निकालकर शामिल करेंगे। इससे तीसरे बूथ में दोनों बूथों के समान संख्या होगी। इससे चुनाव के समय मतदाताओं की सुविधा मिलेगी। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे मतदाताओं को उनके बूथों की जानकारी अवश्य दें। इस कार्य में प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

उपायुक्त ने जानकारी दी कि ग्रुप हाउसिंग सोसायटी भी चिन्हित की गई हैं। डीटीपी के माध्यम से करीब 154 ग्रुप हाउसिंग सोसायटी की सूची तैयार की गई है। इनमें मतदाताओं की संख्या तथा बूथ के लिए आवश्यक स्थान की उपलब्धता की जांच कर सोसायटी में ही नए बूथ बनाये जायेंगे। इसके लिए उन्होंने आरडब्ल्यूए से भी सुझाव आमंत्रित किए। साथ ही उन्होंने बताया कि स्लम के निकटतम क्षेत्र में बूथ बनायेंगे, ताकि लोगों को मतदान के लिए दूर-दराज न जाना पड़े। इसके अलावा उन्होंने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत 25 जुलाई से 9 अगस्त के बीच शनिवार व रविवार को विशेष कैंप लगाकर वोट बनाने तथा मतदाता सूची में संशोधन का कार्य भी किया जाएगा। इसका लाभ मतदाताओं को उठाना चाहिए। मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम मिसिंग थे या डिलिट हो गये थे वे भी अपनी वोट बनवा सकते हैं। साथ ही जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष की हो चुकी है वे भी अपनी वोट जरूर बनवायें। इस दौरान दावे तथा आपत्तियां भी दर्ज की जाएगी, जिसके बाद 20 अगस्त को सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने इस दिशा में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए। लोगों को वोट बनवाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए और नये बूथों के विषय में भी जागरूक किया जाए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद शर्मा, जिला परिषद के सीईओ सतबीर सिंह मान, एसडीएम त्रिलोकचंद, एसडीएम शिखा आंतिल, एसडीएम अमित मान, एचएसवीपी के एस्टेट ऑफिसर सिद्धार्थ दहिया, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजकुमार बोहरा, अश्विनी गुलाटी, विनोद कुमार खन्ना, एनपी सिंह, दिलराज गौड़, प्रेम धनखड़ आदि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

स्कीम वर्कर्रों व सफाई कर्मियों ने डीसी ऑफिस पर किया आक्रोश प्रदर्शन, सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। आशा, आंगनवाड़ी, मिड.डे मील वर्कर्स व ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को डीसी ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सीटीएम को सौंपे गया। प्रदर्शनकारी स्कीम वर्कर व ग्रामीण सफाई कर्मचारी सीटू के नेतृत्व ओपन एयर थियेटर सेक्टर 12 में एकत्रित हुए और वहां एक आक्रोश सभी का आयोजन किया। सभा को ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर, सचिव वीरेंद्र डंगवाल, आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान हेमलता, सचिव सुधा, आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हैल्पर्स यूनियन की जिला प्रधान देविन्द्री शर्मा, उप प्रधान सुरेन्द्री, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान देवीराम व दिनेश व मिड डे मील से कमलेश व गीता, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान नवल सिंह आदि ने संबोधित किया।

सभा के उपरांत ओपन एयर थियेटर से सरकार की वादाखिलाफी व मांगों की घोर उपेक्षा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीसी आफिस पर पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। सीटू के जिला प्रधान निरंतर पाराशर ने प्रदर्शन की समाप्ति पर ऐलान किया कि आकोशित स्कीम वर्कर एवं ग्रामीण सफाई कर्मचारी, निमार्ण मजदूर आंदोलन के अगले चरण में 21 जुलाई को उद्योग मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा के आवास पर प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार मजदूर, कर्मचारी और किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में जनता ने भाजपा की नीतियों को समझ करके मतदान दिया है। 400 सीटें को जीत कर सरकार बनाने का दावा करने वाली भाजपा को केवल 240 सीटें ही मिली। हालांकि तीसरी बार दूसरे दलों के सहारे सरकार बनाने में भाजपा कामयाब हो गई। लेकिन उसकी नीतियों में कोई अंतर नहीं दिखाई देता है।

पूर्व विधायक शारदा राठौर ने जनसम्पर्क अभियान चलाकर सुनी जन समस्याएं

समाचार गेट/पूजा गोयल

फरीदाबाद। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्व विधायक शारदा राठौर ने जनसंपर्क चलाया हुआ है। कार्यकताओं के साथ घर-घर जाकर लोगों को कांग्रेस पार्टी की नीतियों के बारे में बता रही हैं। इस दौरान लोग उनका गर्म जोशी के साथ स्वागत कर रहे हैं।जनसंपर्क के दौरान लोगों से मुलाकात करते हुए शारदा राठौर ने कहा कि भाजपा सरकार से हर वर्ग परेशान है। सफाई के नाम पर बाजार, कॉलोनी, सेक्टर में गंदगी के ढेर पड़े हैं। लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। सडकें टूटी पड़ी हैं, कानून व्यवस्था चरमराई हुई है । जिससे जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर जनता को मूलभूत सुविधा देना प्राथमिकता होगी। गैस सिलेंडर 500 रुपये का होगा, 300 यूनिट तक बिजली फ्री होगी।वीरवार को शारदा राठौर ने कार्यकताओं के साथ जनसंपर्क के दौरान कालोनी और सेक्टर में लोगों से घर-घर जाकर मुलाकात की और उनकी समस्याएं। इतना ही नहीं संबंधित अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर लोगों की समस्याओं का समाधान भी करा रही हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उनके जनसंपर्क अभियान में शामिल हो रही हैं।

आज घोषित परीक्षा परिणाम में बल्लभगढ़ की ट्विंकल गोयल सी ए बन गई

समाचार गेट/पूजा गोयल

देश की सर्वाधिक कठिन परीक्षाओं में से एक सी ए के बनने पर श्री वैश्य अग्रवाल समाज के प्रधान भगवान दास गोयल, कैलाश चंद धौजिया, इंश्वर गोयल, अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल, राष्ट्रीय अग्रकुल सेना के अध्यक्ष डॉ विजेंद्र पाल सिंगला, अग्रवाल वैश्य समाज बल्लभगढ़ के अध्यक्ष विजय मंगला, अग्रवाल समिति बल्लभगढ़ के प्रधान जितेंद्र सिंगला, महासचिव लोकेश अग्रवाल तथा समिति की लेडीज विंग की ओर से प्रेरणा अग्रवाल, हेमा जैन, इंदु गोयल, पूनम ने ट्विंकल के पिता भानू प्रताप गोयल व ताऊ ललित गोयल को बधाई दी है। सी ए सतीश मित्तल, सी ए दीपक गर्ग, सी ए हरीश मंगला समाजसेवी मुकेश मंगला, ओमदत्त शर्मा तथा अनेकों गणमान्य नागरिकों ने भी गोयल परिवार को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

समाधान शिविर में आई 37 शिकायतों में से 17 का मौके पर ही करवाया समाधानः विक्रम सिंह

समाचार गेट/ब्यूरो

शेष बची शिकायतों के जल्द समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गये। उपायुक्तफरीदाबाद। जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक कार्यदिवस पर समाधान शिविर लगाकर मौके पर ही लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज वीरवार को सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के कमरा नंबर 106 में सुबह 9 से 11 बजे तक समाधान शिविर लगाया गया।

उपायुक्त विक्रम सिंह ने शिविर में आए लोगों की शिकायतें सुनकर उनका समाधान करवाया। उपायुक्त ने बताया कि आज वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 37 शिकायतें आई, जिनमें से 17 का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करवाया जाता है। इसके अलावा जो शिकायतें लंबित रह जाती है उन्हें संबंधित विभाग के अधिकारी से जल्द समाधान करवाने के निर्देश दिए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों में ज्यादातर शिकायतें पेंशन और फैमिली आईडी से संबंधित आ रही है। इसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को समस्या के जल्द समाधान के लिए निर्देशित किया जाता है। नीतिगत मामलों से संबंधित शिकायतों के लिए मुख्यालय को रिपोर्ट किया जाता है।

शिविर को लेकर नागरिकों का रुझान बढ़ा है तथा नागरिक अपनी अर्जी लेकर उनका समाधान करवाने के लिए समाधान शिविर में पहुंच रहे हैं।

शिविर में डीसीपी ट्रैफिक उषा देवी, एडीसी डॉ. आनंद शर्मा, नगराधीश अंकित कुमार, जिला ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य वजीर डागर सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत प्याला इंडस्ट्रीज के लोगों ने लगाए पेड़

समाचार गेट/ब्यूरो

बल्लभगढ़: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रारंभ किए गए एक पौधा मां के नाम अभियान के निमित्त रामा इंडस्टरीज स्टेशन प्याला द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आमंत्रित वैश्य अग्रवाल समाज के प्रधान व हरियाणा व्यापार मंडल के प्रधान भगवान दास गोयल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

वह एक पौधा मां के नाम से अभियान के अंतर्गत पौधे लगाए गए। और पर्यावरण के बारे में जानकारी देते हुए कहा हम सभी लोगों को मानव धर्म निभाते हुए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पेड़ लगाने चाहिए।आज हमारे द्वारा लगाए गए पेड़ भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के काम आएंगे। इस मौके पर राजेश शर्मा, हिमेश शर्मा, नत्थी सिंह सिसोदिया, सुरेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

नूह में 22 को निकलेगी शोभा यात्रा, खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट/ब्यूरो

आपको बता दें कि पिछले साल 31 जुलाई को शोभायात्रा के दौरान नूंह में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल खराब करने से दंगा भड़क गया था। जिसमें पूरी तरह दो समुदायों के बीच माहौल खराब हो गया था। इतना ही नहीं इस हिंसा में जहां कई लोगों की जान गई थी, वहीं नूंह से लेकर इस हिंसा की आग प्रदेश के कई जिलों में पहुंची थी।इस बार इस शोभायात्रा में कोई असामाजिक तत्व दोनों समुदाय के बीच कोई अनहोनी ना पैदा करें, इसको लेकर हरियाणा प्रदेश की खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने नूंह जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि इस दौरान नूंह जिले में ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा के उपयुक्त इंतजाम किए जाएं। इतना ही नहीं जो लोग बाहर से यात्रा में शामिल होने आए उनकी पूरी तलाशी लेकर ही जिले में अंदर आने दिया जाए। ऐसा ना हो कि कोई शोभायात्रा के बहाने यह असामाजिक तत्व हथियार लेकर जिले में आकर इस भाईचारे को खराब करने की कोशिश करें। ऐसे व्यक्तियों पर पुलिस पूरी नजर रखें, ताकि कोई अनहोनी ना हो। इस दौरान खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जबलाभिषेक यात्रा के नाम पर जो वातावरण बनाया जा रहा है वो उसके प्रति अपनी चिंता प्रकट करते हैं। पिछले साल जिस तरह से यात्रा की आड़ में धार्मिक और सामाजिक माहौल को बिगड़ा गया था। उसके चलते अनेक निर्दोष लोगों की जान गई। मेवात के अनेक निर्दोष युवकों को झूठे मुकदमों में फसाया गया और जेल में डाला गया व यातनाएं दी गई।उन्होंने कहा कि इस हिंसा के दौरान कितने लोगों की दुकानों को गैरकानूनी तरीके से बुलडोजर से तोड़ा गया और रोजी-रोटी के साधनों को बर्बाद किया गया। उन्हें आज तक भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। हरियाणा खाप पंचायत के प्रतिनिधियों ने कहा कि बाहर से आकर असामाजिक तत्वों ने जिस तरह यहां के सामाजिक माहौल में जहर घोलने की कोशिश की उसका अभी तक कड़वा अनुभव हमारे सामने है।एक बार फिर से इस वर्ष सांप्रदायिक तत्वों की ओर से मीडिया में उकसाने की बातें उठ रही है। जिससे दोबारा यात्रा के नाम पर ध्रुवीकरण और माहौल खराब करने की साजिश हो रही है, जो किसी भी धार्मिक यात्रा से मेल नहीं खाती। अखिल भारतीय किसान महासभा के महासचिव सुमित दलाल, समुंदर सिंह खोर प्रेस प्रवक्ता माजरा खाप जींद, प्रभु दयाल आर्य अखिल भारतीय संविधान सभा, सबीक अहमद मेव इतिहासकार, मनोज अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्यों ने कहा कि यहां की धरती सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की धरती रही है। अब नफरत फैलाकर इस तरह के बंटवारे की राजनीतिक लोगों को आपस में लड़ने की कुछ साजिश की जा रही है। हम तमाम सामाजिक संगठन व किसान मजदूर संगठनों की तरफ से जिला प्रशासन और सरकार से कहना चाहते हैं कि बाहर से आकर सामाजिक सद्भाव को खराब करने वाले किसी भी तत्व को इसकी छूट ने मिले। वहीं जिला प्रशासन इस शोभायात्रा को लेकर सतर्क और चुस्त नजर आ रहा है।

संपादकीय

अब संभलना ही होगा !

इस बार जैसा रंग दिखाया है मौसम ने, उसके बाद हमारी नींद खुल जानी चाहिए। क्लाइमेट चेंज के जिस खतरे को लेकर पिछले कई बरसों से पर्यावरण के जानकार और वैज्ञानिक आगाह कर रहे थे, वह अब सिर पर आ पहुंचा है। अगर इस बारे में कुछ न किया गया तो यहां से हालात बदतर ही होंगे।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

मौसम का चरम

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के तमाम दूसरे शहरों ने जून में ही मौसम के दो चरम झेल लिए। पहले जानलेवा गर्मी पड़ी। दिल्ली में जून का औसत अधिकतम तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद एकसाथ इतनी बारिश हो गई कि सारे इंतजाम पानी में बह गए। जान दोनों ने ली। अब यह सोचने वाली बात है कि जो शहर कुछ दिन पहले पानी की किल्लत से जूझ रहे थे, वे अचानक पानी में कैसे डूबने लगे?

देर ठीक नहीं

गर्मी का रेकॉर्ड तोड़ना अब आम होता जा रहा है। अभी तक जून के जो चार महीने सबसे ज्यादा गर्म दर्ज किए गए हैं, उनमें से तीन पिछले 13 बरसों में ही पड़ गए। हर साल ऐसा लगता है कि गर्मी पिछले बरस से अधिक पड़ रही है। सर्दियों का मौसम सिकुड़ता जा रहा है, जबकि बारिश अनियमित हो चली है। ये सारे संकेत डराने वाले हैं और साथ ही चेताने वाले भी।

क्लाइमेट चेंज के मुद्दे पर हमें दो स्तरों पर काम करने की जरूरत है - पहला उपाय दीर्घकालिक हो और दूसरा फौरी। एक्शन प्लान और गाइडलाइंस पर काम करना होगा। आंध्र प्रदेश का उदाहरण ले सकते हैं, जहां हर साल हीटवेव से निपटने की सरकारी योजना बनती है। इसमें लॉन्ग टर्म के साथ शॉर्ट टर्म उपाय भी रखे जाते हैं।

तुरंत राहत के रूप में उन लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिन्हें खुले में काम करना पड़ता है, जैसे श्रमिक, ट्रैफिक पुलिसकर्मी, रेहड़ी-पटरी दुकानदार। स्कूल, ऑफिस वगैरह के समय में बदलाव किया जाए। सार्वजनिक कूल शेल्टर बनाए जा सकते हैं, जहां वे लोग दोपहर में आराम कर सकें, जिनकी मजबूरी है बाहर निकलना। लोगों को अपने घरों की बाहरी दीवारों और छतों पर सफेद पेंट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे घर के भीतर गर्मी कम लगती है।

अगर बिगड़ते मौसम को संभालना है तो कुछ कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। हमारे महानगरों में नदियों-तालाबों पर तेजी से कब्जा हो रहा है। बेटलैंड पर बिल्डिंगें खड़ी की जा रहीं, जो नैचरल वॉटर रिचार्ज सिस्टम का काम करते हैं। इसको रोकना होगा। हरियाली बढ़ानी होगी। सजावटी के बजाय नीम, पीपल, जामुन, आम जैसे पेड़ लगाए जाएं। घरों के निर्माण में पुरानी शैली अपनाई जाए यानी मोटी और ऊंची दीवारें, पर्याप्त वेंटिलेशन। जड़ों की ओर लौटने और प्रकृति के सम्मान से ही इस मुसीबत से बचा जा सकता है।

मिल गई पृथ्वी की 'जुड़वां बहन', Super Earth की खोज ने चौंकाया

समाचार गेट/एजेंसी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय शोधकताओं की एक टीम ने संभावित रूप से रहने योग्य एक्सोप्लैनेट की एक महत्वपूर्ण खोज की है। इसे आम बोलचाल की भाषा में पृथ्वी की दूसरी बहन कहा जा रहा है। द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए उनके अध्ययन से पता चलता है कि एक्सोप्लैनेट एलएचएस 1140 बी एक सुपर-अर्थ हो सकता है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इस एक्सोप्लैनेट पर पानी से भरा महासागर भी हो सकता है। एक्सोप्लैनेट एलएचएस 1140 बी नक्षत्र सेटस में लगभग 48 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।

एलएचएस 1140 बी पर पानी की संभावना

यूनिवर्सिटी डी मॉन्ट्रियल में मुख्य लेखक और डॉक्टरेट छात्र चार्ल्स कैडियक्स ने इस खोज के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "एलएचएस 1140 बी एक दिन हमारे सौर मंडल से परे एक विदेशी दुनिया की सतह पर तरल पानी की अप्रत्यक्ष रूप से पुष्टि करने के लिए हमारी सबसे अच्छी शर्त हो सकती है।"

ग्रह अपने रहने योग्य क्षेत्र में एक लाल बौने तारे की परिक्रमा करता है, जहां तापमान संभावित रूप से सतह पर तरल पानी का समर्थन कर सकता है।

एलएचएस 1140 बी में क्या है खास

यूनिवर्सिटी डी मॉन्ट्रियल के नेतृत्व में किए गए निष्कर्ष एलएचएस 1140 बी के बारे में पिछली धारणाओं को चुनौती देते हैं। शुरू में इसे एक छोटा-नेपच्यून माना जाता था जिसमें एक मोटा हाइड्रोजन युक्त वायुमंडल था।

लेकिन, अब जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) के नए डेटा से पता चलता है कि यह पृथ्वी से बड़ा एक चट्टानी या पानी से भरपूर ग्रह है।

नाइट्रोजन युक्त वातावरण की मौजूदगी

JWST डेटा का विश्लेषण, अन्य अंतरिक्ष दूरबीनों से पिछले अवलोकनों के साथ मिलकर संकेत देता है कि LHS 1140 b में पृथ्वी के समान नाइट्रोजन युक्त वातावरण हो सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन में ठअरअ सागन फेलो रयान मैकडोनाल्ड, जिन्होंने ग्रह के वायुमंडल का विश्लेषण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने कहा, "यह पहली बार है जब हमने रहने योग्य क्षेत्र के चट्टानी या बर्फ.से भरपूर एक्सोप्लैनेट पर वायुमंडल का संकेत देखा है"।

द्रव्यमान में 20% पानी

शोध से पता चलता है कि ल्हर 1140 b के द्रव्यमान का 10 से 20% पानी से बना हो सकता है। वर्तमान मॉडल संकेत देते हैं कि यह एक स्नोबॉल ग्रह हो सकता है, जिसका व्यास लगभग 4,000 किलोमीटर है, और संभवतः इसके केंद्र में सतह का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस आरामदायक हो सकता है।

जबकि ये निष्कर्ष आशाजनक हैं, शोधकर्ता चेतावनी देते हैं कि नाइट्रोजन युक्त वायुमंडल की उपस्थिति की पुष्टि करने और अन्य गैसों की खोज करने के लिए अतिरिक्त JWST अवलोकन आवश्यक हैं।

कार में लगा में कोई भी स्क्रैच पल भर में हो जाएगा साफ

नई दिल्ली। कार पर एक भी स्क्रैच ना आ जाए, इसलिए लोग गाड़ी बहुत ही संभलकर लगाते हैं। कोई थोड़ा भी स्पीड में आ जाए, तो बोलने लगते हैं कि अरे, भाई देखकर चला..तेरी कार मेरी गाड़ी में टच हो रही है। क्योंकि अगर स्क्रैच आ गया तो हजारों रुपए का चूना लग जाता है। अगर नई कार हो तो दिमाग सबसे ज्यादा खराब होता है।

एक स्क्रैच की वजह से कई बार लड़ाई भी हो जाती है लेकिन अब आपको इतना टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। वैसे कार में स्क्रैच लगाना बहुत ही काम परेशानी है, मगर बार-बार खर्च करना मुमकिन नहीं होता है। ऐसे में हम आपको देसी जुगाड़ बता रहे हैं जिसकी मदद से आप बिना पैसा खर्च किए स्क्रैच हटा पाएंगे।

कार में लगे स्क्रैच को हटाने के लिए सबसे आसान तरीका विनेगर और कॉकोनट ऑयल का मिश्रण है। आपको इस दोनों को बराबर मात्रा में मिलाना होगा, अगर तेल जमा हुआ हो तो थोड़ा सा गर्म कर लीजिए। अब इस घोल को टिश्यू की मदद से स्क्रैच वाली वजह पर लगाएंये, देखना आपकी परेशानी कैसे पल भर में गायब हो जाती है।

इस ट्रिक के अलावा आप और भी तरीके आजमा सकते हैं। जैसे कि स्क्रैच को हटाने के लिए टूथपेस्ट की मदद से सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले स्क्रैच वाली जगह को पानी से अच्छे से क्लीन कर लें।

नसों-नलियों में चुंबक की तरह चिपके गंदे पदार्थ, इस आयुर्वेदिक चूर्ण से करें बाहर

समाचार गेट/एजेंसी

नई दिल्ली। शरीर के अंदर कई सारी चीजें बनती रहती हैं। इनके बारे में बाहर से पता नहीं लग पाता। जब इनके बनने की मात्रा कम या ज्यादा हो जाती है तो दिक्कतें होने लगती हैं। फालतू मात्रा गंदगी बन जाती है और नसों-नलियों में जाकर जमने लगती है। मगर इन सभी गंदगी को एक झटके में बाहर निकाला जा सकता है। पूरे शरीर को साफ कैसे करें? शरीर में जमने वाली यह गंदगी नजरअंदाज नहीं करनी चाहिए। इनकी वजह से खांसी से लेकर हार्ट अटैक तक आ सकता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट तन्मय गोस्वामी ने बताया कि वात-कफ के बिगड़ने से बढ़ जाती हैं। इनकी वजह से खांसी-जुकाम, शरीर में जकड़न, हार्ट अटैक, नसों की ब्लॉकेज हो सकती है।

यह आयुर्वेदिक उपाय शरीर में जमने वाली 3 गंदगी को प्रमुख रूप से निकालता है। इनमें बलगम, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड शामिल हैं। जो कि वात और कफ के बिगड़ने से बढ़ जाती हैं। इनकी वजह से खांसी-जुकाम, शरीर में जकड़न, हार्ट अटैक, नसों की ब्लॉकेज हो सकती है।

यह त्रिफला पाउडर की तरह एक आयुर्वेदिक चूर्ण है जिसे 3 चीजों से मिलाकर बनाया गया है। एक्सपर्ट तन्मय गोस्वामी के मुताबिक इसमें पीपली, मरीच (काली मिर्च) और सोंठ (सूखी अदरक पाउडर) को मिलाया जाता है। इसे त्र्यूषण, व्योष और कटुत्रिक के नाम से भी जानते हैं।

बलगम, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कंट्रोल करने के लिए इसे खाने में मिलाकर लेना होता है। एक्सपर्ट के मुताबिक रोज भोजन में 2-5 ग्राम त्रिकटु चूर्ण मिलाकर लेने से फायदा मिलेगा।

पीपली को पैरासाइट खत्म करने के लिए जाना जाता है। यह अस्थमा, फेफड़ों की समस्या, अर्थराइटिस, हार्ट डिजीज, सामान्य जुकाम, खांसी, अपच में फायदेमंद माना जाता है।

काली मिर्च डायजेशन बढ़ाने में मदद करती है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाकर इंफेक्शन से लड़ने लायक बनाती है। वजन कम करने से लेकर लॉन्स को हेल्दी बनाने के काम आती है।

सोंठ अपने एंटीइंफ्लामेटरी गुण के लिए मशहूर है। यह अंदरुनी सूजन और दर्द को खत्म करती है। पाचन को ताकतवर बनाती है और बॉडी डिटॉक्स करती है।

डिस्क्लेमर: यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

क्रेडिट कार्ड का बढ़ा जलवा तेजी से बढ़ता उपयोग

समाचार गेट
यश मेहलोत्रियां

नई दिल्ली। इस समय लोग खुल कर खर्च कर रहे हैं। पास में पैसे नहीं हैं तो कोई बात नहीं। क्रेडिट कार्ड है ना। समय पर क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुका पाए तो ईएमआई बंधवा लिए। लेकिन शौक या आवश्यकता तो पूरी होगी ही। तभी तो पिछले तीन साल में क्रेडिट कार्ड का खर्च तीन गुना बढ़ कर 18 लाख रुपये से भी ऊपर चला गया है।

देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग कितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा रिजर्व बैंक के आंकड़ों से ही मिलता है। इस आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन वर्षों के दौरान क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन तीन गुना बढ़ गया है। यह मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 18.31 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह तीन साल पहले, मार्च 2021 में, 6.30 लाख करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि अर्थव्यवस्था कोविड महामारी से उत्पन्न समस्याओं से बाहर आ गई है। इस समय उपभोक्ताओं के विश्वास में लगातार वृद्धि हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान क्रेडिट कार्ड लेनदेन का मूल्य 6.30 लाख करोड़ रुपये था। यह मार्च 2022 में बढ़कर 9.71 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2023 तक 14.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। अब यह 18 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। इस समय कार्ड यूजर्स का मासिक खर्च 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इस साल मार्च महीने में यह 164,459 करोड़ रुपये रहा जबकि मार्च 2021 में यह 72,319 करोड़ रुपये था।

आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकों द्वारा जारी किए गए क्रेडिट कार्ड की संख्या भी मार्च 2024 तक तेजी से बढ़कर 10.18 करोड़ हो गई है। एक साल पहले यानी मार्च 2023 में यह संख्या 8.53 करोड़ और मार्च 2022 में 7.36 करोड़ और मार्च 2021 में 6.20 करोड़ थी।

जिस तरह से लोग क्रेडिट कार्ड से खर्च खूब कर रहे हैं, उसी तरह उनका बकाया भी बढ़ रहा है। मई 2024 तक क्रेडिट कार्ड का बकाया 2,67,979 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि 2022 में यह 1,61,512 करोड़ रुपये था। कार्ड बकाया बैंकों द्वारा दी गई ब्याज-मुक्त अवधि के बाद ग्राहकों से मिलने वाली राशि है।

देश के बैंकिंग सेक्टर को देखें तो सबसे आगे स्टेट बैंक है जो कि सरकारी बैंक है। लेकिन क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में निजी बैंकों का दबदबा है। एचडीएफसी बैंक 2.11 करोड़ क्रेडिट कार्ड के साथ शीर्ष कार्ड जारीकर्ता है। भारतीय स्टेट बैंक का नंबर इसके बाद ही है। इस बैंक ने अब तक 1.91 करोड़ कार्ड जारी किए हैं। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक 1.7 करोड़ कार्ड और एक्सिस बैंक के 1.43 करोड़ कार्ड हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक ने मई 2024 के महीने में 16,251 करोड़ रुपये के पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) ट्रांजेक्शन और 25,155 करोड़ रुपये के ई-कॉमर्स कार्ड यूज की सूचना दी है। बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि जिस चीज ने ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड सेगमेंट की ओर आकर्षित किया है, वह अधिक खर्च पर पुरस्कार, ऋण ऑफर और एयरपोर्ट लाउंज लाभ, फेस्टिवल ऑफर जैसे प्रोत्साहन हैं। हालांकि उन्हें क्रेडिट कार्ड का अतिशय उपयोग करने से पहले कई बार सोचना चाहिए।

सुभाष चंद्र बोस को जब ऑस्ट्रिया में हुआ था टाइपिस्ट से प्यार

1930 की बात है जब सुभाष चंद्र बोस कारावास में ही थे कि चुनाव में उन्हें कोलकाता का महापौर चुना गया। इसलिए सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गई।

नई दिल्ली। यह बात तब की है जब आजाद हिंद फौज के नेता सुभाष चंद्र बोस ऑस्ट्रिया में थे, जहां वह भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े अनुभवों पर एक किताब लिख रहे थे-द इंडियन स्ट्रगल। वह रोज कुछ न कुछ लिखते। मगर, वो चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो रोज उनकी बातों को तेजी से लिख सके। अपने इसी मकसद को पूरा करने के दौरान सुभाष चंद्र बोस की मुलाकात एक खूबसूरत ऑस्ट्रियाई लड़की से हुई, जिसे वो पहली ही नजर में दिल दे बैठे। सुभाष के प्रेम संबंध इस देश में पनपे, जिसका नतीजा दोनों की शादी में हुआ। सुभाष चंद्र बोस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हीरो रहे हैं, जो इस वक्त ऑस्ट्रिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। किसी प्रधानमंत्री की यह 40 साल में यह पहला ऑस्ट्रिया दौरा है। इससे पहले 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस देश की यात्रा की थी।

1930 की बात है जब सुभाष चंद्र बोस कारावास में ही थे कि चुनाव में उन्हें कोलकाता का महापौर चुना गया। इसलिए सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गई। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबियत फिर से खराब हो गई। तब डॉक्टरों की सलाह पर सुभाष को यूरोप जाना पड़ा। 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में ही रहे। इस दौरान वह इटली के नेता मुसोलिनी से मिले, जिन्होंने भारत की आजादी में मदद करने की बात कही। आयरलैंड के नेता डी वलेरा सुभाष के अच्छे दोस्त बन गए। जिन दिनों सुभाष यूरोप में थे उन्हीं दिनों जवाहरलाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू का ऑस्ट्रिया में निधन हो गया। सुभाष ने वहां जाकर जवाहरलाल नेहरू को सांत्वना भी दी। 1934 में वह इलाज के लिए ऑस्ट्रिया रुके थे, जब ऑस्टियाई लड़की एमिली से उनकी मुलाकात हुई।

सुभाष चंद्र बोस जब ऑस्ट्रिया लड़की एमिली शेंकल से एक इंटरव्यू के दौरान चंद मिनटों की मुलाकात में सुभाष उसे अपना दिल बैठे थे। सुभाष उस वक्त अपनी किताब 'द इंडियन स्ट्रगल' किताब उनकी इसी लिखने की आदत का नतीजा थी। हालांकि, अपनी इस किताब को लिखने के लिए उन्हें किसी टाइपिस्ट की जरूरत थी, जो तेजी से उनकी बातों को लिख सके। जब यह काम शुरू हुआ तो उस वक्त सुभाष ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में थे। वहां उनके एक दोस्त डॉ. माथुर ने इस काम में मदद की और दो लोगों को सुभाष के पास टाइपिस्ट की नौकरी के लिए भेज दिया। इनमें से एक थी 23 साल की खूबसूरत ऑस्ट्रियाई लड़की एमिली शेंकल, जिसे 37 साल के सुभाष पहली ही नजर में दिल दे बैठे थे। इसी दौरान दोनों के बीच प्यार पनपा।

सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई शरत चंद्र बोस के पोते सौगत बोस की किताब 'हिज मैजेस्टी अपोनेंट- सुभाष चंद्र बोस एंड इंडियाज स्ट्रगल अगेंस्ट एंपायर' में लिखा है कि एमिली से मुलाकात के बाद सुभाष में बड़ा बदलाव आया। 26 जनवरी, 1910 को ऑस्ट्रिया के एक कैथोलिक परिवार में जन्मी एमिली कहती हैं' सुभाष ने मुझे प्रपोज किया और हमारे रिश्ते रोमांटिक होते गए। 1934 से मार्च 1936 के बीच ऑस्ट्रिया और चेकेस्लोवाकिया में रहने के दौरान हमारे रिश्तों में गहराई आती लगी।'

एमिली के पिता को शुरूआत में अपनी बेटी का किसी भारतीय के यहां काम करना या उससे रिश्ता रखना बेहद नागवार गुजरा था। हालांकि, जब उनकी मुलाकात सुभाष से हुई तो वह भी उनके करिश्माई व्यक्तित्व के मुरीद हो गए। सुभाष ने एमिली को कई पत्र लिखा था, जिसे एमिली ने खुद शरत चंद्र बोस के बेटे शिशिर कुमार बोस की पत्नी कृष्णा बोस को सौंपा था। इन्हीं पत्रों में कुछ लव्लेटर भी थे, जिनसे सुभाष और एमिली के रोमांटिक रिश्ते की बात जाहिर होती है। 1910 को जन्मी एमिली के साथ सुभाष चंद्र बोस ने 12 साल बिताए थे। दोनों का प्यार अटूट था।

सुभाष ने एमिली को 5 मार्च, 1936 को एक लेटर लिखा था। इस पत्र में वह कहते हैं-'माई डार्लिंग, जैसे वक्त आने पर बर्फीला पहाड़ भी पिघल जाता है, वैसे ही मेरी भावनाएं भी हैं। ...मुझे नहीं मालूम कि आने वाले समय में क्या होगा...संभव हो कि मुझे पूरी जिंदगी जेल में बितानी पड़े। मुझे गोली मार दी जाए या फांसी दे दी जाए। मैं तुम्हें कभी देख नहीं पाऊं, मगर मेरा यकीन करो, तुम हमेशा मेरे दिल में राज करोगी। मेरी सोच और मेरे सपनों में रहोगी। इस जन्म में हम नहीं मिल पाए तो अगले जन्म में मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।'

सुभाष और एमिली में प्रेम इतना गहराता गया कि दोनों एक-दूसरे के बिना नहीं रह पा रहे थे। सुभाष ने 1937 में एमिली को भेजे एक पत्र में लिखा था, '...मैं तुम्हें केवल ये बताना चाहता हूं कि जैसा मैं पहले था, वैसा ही अब भी हूं। एक भी दिन ऐसा नहीं बीता है, जब मैंने तुम्हारे बारे में नहीं सोचा था। तुम हमेशा मेरे साथ हो। मैं किसी और के बारे में सोच भी नहीं सकता। इन महीनों में मैं कितना दुखी रहा, अकेलापन महसूस किया। केवल एक चीज मुझे खुश रख सकती है, लेकिन मैं नहीं जानता कि क्या ये संभव होगा।' सुभाष जब एमिली से मिले तो दोनों ने गुपचुप शादी कर ली। एमिली ने कृष्णा बोस को बताया था कि 26 दिसंबर, 1937 को उनके 27वें बर्थडे पर ये शादी आस्ट्रिया के बादगास्तीन में हुई थी, जहां दोनों मिला करते थे।

बाद में सांसद रहीं और शरत चंद्र बोस के बेटे शिशिर कुमार बोस की पत्नी कृष्णा बोस ने सुभाष और एमिली की प्रेम कहानी पर 'ए टू लव स्टोरी- एमिली एंड सुभाष' लिखी थी। सुभाष और एमिली का साथ 1945 तक महज 12 साल का ही रहा। दोनों को 29 नवंबर, 1942 एक बेटी हुई, जिसका नाम दोनों ने इटली के क्रांतिकारी नेता गैरीबाल्डी की ब्राजीली मूल की पत्नी अनीता गैरीबाल्डी के सम्मान में रखा, जो गुरिल्ला युद्ध में माहिर थीं।

सुभाष अपनी चार हफ्ते की बेटी को देखने के लिए दिसंबर, 1942 में वियना पहुंचे। वहां से वह अपने आजादी के मिशन पर चले गए, जहां से फिर कभी लौटकर नहीं आ पाए। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 18 अगस्त, 1945 को ताइपे जाते वक्त एक विमान दुर्घटना में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर आई, जो आज भी राज बना हुआ है। एमिली भी 1996 तक जिंदा रहीं और बेटी अनीता बोस को जर्मनी का मशहूर अर्थशास्त्री बनाया।

सुभाष बर्लिन में रिबेन ट्रोप जैसे जर्मन नेताओं से मिले। उन्होंने जर्मनी में भारतीय स्वतन्त्रता संगठन और आजाद हिंद रेडियो की स्थापना की। इसी दौरान सुभाष नेताजी के नाम से जाने जाने लगे। जर्मन सरकार के एक मन्त्री एडॅम फॉन ट्रॉट सुभाष के अच्छे दोस्त बन गए। 29 मई 1942 के दिन सुभाष जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर से मिले। उन्होंने हिटलर से उनकी आत्मकथा में लिखे गए उस अंश को निकालने को कहा, जिसमें भारतीयों की बुराई की गई थी।

सुभाष लिखने-पढ़ने के बेहद शौकीन थे। अपनी अपूर्ण आत्मकथा एक भारतीय यात्री (ऐन इंडियन पिलग्रिम) के अतिरिक्त उन्होंने दो खंडों में एक पूरी पुस्तक भी लिखी- भारत का संघर्ष (द इंडियन स्ट्रगल)। यह किताब एमिली ने ही टाइप की थी। इस किताब का लंदन से ही प्रथम प्रकाशन हुआ था, जिसने यूरोप में तहलका मचा दिया। सुभाष अपनी आत्मकथा पूरी करना चाहते थे, मगर वह अधूरी ही रह गई।

23 जनवरी, 1897 को कटक में जन्मे सुभाष ने देश की आजादी के लिए देश ही नहीं पूरी दुनिया से समर्थन जुटाया। उन्होंने अगस्त, 1942 में आजाद हिंद फौज का गठन किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन के कुछ समय बाद ही सुभाष कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार होने लगे थे। देश का युवा सुभाष चंद्र बोस की आजादी हासिल करने के तौर-तरीकों से बेहद प्रभावित थी। एक समय सुभाष की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि उन्होंने महात्मा गांधी के चहेते पट्टाभिसीतारमैया को हराकर कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया था। पीएम मोदी ने इसी साल 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हम उनके जीवन और साहस का सम्मान करते हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए उनका अटूट समर्पण आज भी प्रेरित करता है। सरकार ने साल 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया था। सुभाष ने जब विदेश में आजाद हिंद फौज सरकार बनाई तो उन्होंने यह चर्चित नारा दिया था कि तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।

भू मालिकों को मालिकाना हक दिला रही मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना : सीताराम

स्वामित्व प्रमाण पत्र व रजिस्ट्री पाकर खुशी से खिले भू-मालिकों के चेहरे

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

सरकार की ओर से चलाई जा रही मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना के तहत वर्षों से दुकानों और घरों में किराए पर रह रहे लोगों को उनका मालिकाना हक दिला रही है

रेवाड़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरूवार को गुरुग्राम जिले के औद्योगिक क्षेत्र मानेसर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शहरी क्षेत्र में लाल डोरे के भू मालिकों को स्वामित्व प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के पात्र परिवारों को रजिस्ट्री वितरित की। रेवाड़ी जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में अटेली के विधायक सीता राम ने चतौर मुख्य अतिथि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लाइव जुड़ते हुए उनके विचारों को सुना और भू मालिकों को स्वामित्व प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना के पात्र परिवारों को रजिस्ट्री वितरित की। स्वामित्व प्रमाण पत्र व रजिस्ट्री पाकर भू-मालिकों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विधायक सीता राम ने कहा कि हरियाणा सरकार की दूरगामी सोच के चलते गांव के साथ-साथ शहरों में रहने वाले नागरिकों को जमीन का मालिकाना हक बिना किसी झंझट के आसानी से मिल रहा है। उन्होंने कहा कि। इसके तहत, शहरी क्षेत्रों में दुकानों और घरों पर कम से कम 20 वर्षों से कब्जा कर रहे सभी लोगों को मालिकाना हक दिया जा रहा है। सरकार द्वारा इस योजना की शुरूआत करने का प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा के सभी शहरी निकायों में उन नागरिकों को स्वामित्व अधिकार प्रदान करना है जो पिछले 20 वर्षों से किरायेदारों, पट्टा धारकों के रूप में रह रहे हैं, या लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर रहे हैं। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव, नगर पालिका धारूहेड़ा के चेयरमैन कंवर सिंह, एडीसी एवं डीएमसी अनुपमा अंजलि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व राज्य सूचना आयुक्त ने सोहना विधानसभा का किया दौरा

समाचार गेट/ पंकज

सोहना। पूर्व राज्य सूचना आयुक्त नरेंद्र यादव ने सोहना विधानसभा क्षेत्र के दर्जन भाहर गांव का दौरा किया आपको बता दे कि नरेंद्र यादव पहले से सोहना में तहसीलदार भी रह चुके हैं जिस कारण उनका हर समाज के लोगों में एक जबरदस्त पकड़ है। क्षेत्र के लोगों ने ही अपनी समस्याओं को लेकर उन्हें राजनीति में आने का आग्रह किया इसी को लेकर अब नरेंद्र यादव सोहना विधानसभा के गांव गांव में जाकर लोगों से रूबरू हो रहे हैं व उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं। अपने इस दौरे में नरेंद्र यादव ने सोहना विधानसभा के दर्जन भर गांव का दौरा किया उन्होंने बताया कि गुड़गांव के समीप सोहना विधानसभा के लगते गांव में पानी में सीवर की सबसे बड़ी समस्या है उन्होंने अब जाकर देखा तो लोग इन समस्याओं से काफी ग्रस्त हैं ।

जिस कारण वहां पर पूर्ण रूप से विकास नहीं हो पा रहा। हालांकि सोहना विधानसभा को एक हॉट सीट माना जाता है लेकिन हॉट सीट होने के बाद भी यहां पर गांव-गांव में समस्याओं का अंबार है। इन्हीं समस्याओं को व लोगों से रूबरू होने के लिए पूर्व आयुक्त में गांवो का दौरा शुरू किया है । लोगों की समस्याओं को वह पूरी गंभीरता से ले रहे हैं इसी कड़ी में आज उन्होंने गांव लाला खेड़ली मंडावर उल्लावास चामडोज, खरोडा का दौरा किया है।

सोहना के समीप जो गांव लगते हैं उन गांव में सड़के पूरी तरह से बदहाल हैं व मेवात क्षेत्र में जो गांव लग रहे हैं उनमें शिक्षा का बुरा हाल है

संक्षिप्त समाचार

कर्नल जगदीश सिंह तंवर बने राजपूत परिवार मिलन प्रकोष्ठ के संयोजक

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। कर्नल जगदीश सिंह तंवर को हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के परिवार मिलन प्रकोष्ठ का संयोजक बनाया गया। सभा के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि समाज के विवाह योग्य जोड़ों का मिलान करवाने, अदालतों में चल रहे पारिवारिक विवादों का परस्पर सहमति से समाधान करवाने तथा परिवार समूह की प्रभावी भूमिका को रेखांकित करने में परिवार मिलन प्रकोष्ठ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपूत ने यह भी बताया कि रविवार 14 जुलाई को राजपूत धर्मशाला रोहतक में सभा की विस्तारक कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। प्रदेश में सक्रिय सभी जिला राजपूत सभाओं के अध्यक्ष, सभा के सभी प्रकोष्ठ संयोजक, लोकसभा कॉर्डिनेटर तथा विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार बैठक में बुलाए गए हैं । मिशन परिसीमन 2026 अभियान की समीक्षा के साथ बैठक में प्रदेश के निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा।

व्यापारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

जांचकर्ता ने बताया कि गांव रानौली निवासी शीशराम ने अपनी शिकायत में बताया था कि उनके लडके दिनेश कुमार ने जलियावास मे गारमेंटस व किरयाना की दुकान कर रखी थी। दिनांक 05 जुलाई को उसके बेटे दिनेश कुमार का जन्मदिन था जिसकी वजह से वह अपने बेटे को बुलाने के लिए दुकान पर गया था। जो उनकी दुकान से कुछ दूर पर एक मोमोज की रेहड़ी लगी हुई थी जिस पर एसपी उर्फ शिव गांव जलालपुर एवं सुम्मी गुर्जर पातुहेडा व अमित पहलवान गांव आसलवास ये तीनो मोमोज खा रहे थे। जो यह तीनो उसके लडके के पास आए और झगडा करने लग गए। जो समझाने के बाद वह सभी वहा से चले गए। उसके बाद वह अपने बेटे के साथ दुकान के पास चौराहे पर आकर बैठ गया। जो थोडी देर बाद एसपी उर्फ शिव, सुम्मी व अमित एक कार मे आए तथा एसपी उर्फ शिव के दो दोस्त सचिन व देवेन्द्र उर्फ देवु निवासी चिरहाडा अपनी बाइक पर आए और किसी पुरानी रंजिश को रखते हुए उसके बेटे दिनेश के साथ झगडा करने लगे। इसके बाद एसपी उर्फ शिव ने उसके बेटे दिनेश को गोली मार दी और अभी आरोपी मौके से फरार हो गए। जो आस पडोस के लोगो की मदद से वह दिनेश को इलाज के लिए पुष्पाजंली अस्पताल रेवाड़ी लेकर गया जहा डाक्टर साहब ने दिनेश को मृत्य घोषित कर दिया। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना कसौला में हत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने बुधवार को मामले में एक आरोपी गांव पातुहेड़ा निवासी सुनील उर्फ सुम्मी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। जो इस मामले में पुलिस द्वारा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

भजन पार्टी गांव-गांव जाकर नागरिकों को सरकारी योजनाओं सामाजिक विषयों पर आमजन को किया जागरूक

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। सूचना, जनसंपर्क, भाषा और संस्कृति विभाग हरियाणा की भजन पार्टियां विशेष प्रचार अभियान में जुटी हुई हैं। भजन पार्टी गांव-गांव जाकर नागरिकों को सरकारी योजनाओं के अलावा सामाजिक विषयों पर आमजन को जागरूक कर रही हैं। गुरूवार को विभागीय व सूचीबद्ध भजन पार्टी ने ह्यबिन रिश्वत के मिले नौकरी सी एम सै ईमानदार मेरे हरियाणे में...ह्व आदि गीतों के माध्यमों से ग्रामीणों के बीच वर्तमान हरियाणा सरकार की साढ़े चार वर्ष की उपलब्धियों को रखा और उन्हें सरकार की योजनाओं से जागरूक किया। भजन पार्टी ने बताया कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश के युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची मैरिट के आधार पर नौकरियां दी हैं और विभागों से रिश्वतखोरी समाप्त की है।डीआईपीआरओ दिनेश कुमार द्वारा विशेष प्रचार अभियान के तहत प्रचार टीम का निरीक्षण किया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रचार टीमों को सरकारी योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए ताकि सरकारी योजनाओं के प्रति समाज का प्रत्येक व्यक्ति जागरूक हो और उनका फायदा उठाने में सक्षम बने। उन्होंने बताया कि प्रचार पार्टियां सरकारी योजनाओं के साथ-साथ सामाजिक विषयों पर भी आमजन को जागरूक कर रही है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की खंडपीठ ने शिविर में सुनी बच्चों की शिकायतें

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की खंडपीठ ने गुरूवार को आयोग की सदस्य प्रीति भारद्वाज दलाल की अध्यक्षता में कोसली स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित शिविर में बच्चों की शिकायतें सुनते हुए संबंधित विभाग के विभागाध्यक्षों को बच्चों की शिकायतों का समाधान करते हुए उन्हें सरकारी सेवाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र बच्चा सरकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ लेने से महरूम न रहे।

एनसीपीसीआर की सदस्य प्रीति भारद्वाज दलाल ने कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग का उद्देश्य बाल अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि देश प्रदेश में एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करना है जो बच्चों के हित में सभी कानूनी प्रावधानों, उनके संरक्षण और विकास के लिए प्रदेश में चलाई जा रही समस्त योजनाओं की सटीकता, सम्पूर्णता, प्रभावशीलता की निगरानी कर सके। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा बेंच के सामने शिकायत रखी गई, जिन्हें गंभीरतापूर्वक सुना गया और समाधान के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि अधिकतर शिकायतें बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र व उनके अधिकारों व सरकारी योजनाओं के लाभ से संबंधित थीं। उन्होंने कहा कि समाज में दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदना जरूरी है। ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चेयरपर्सन प्रवीण जोशी ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आयोग के लिए शून्य से लेकर 18 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों की सुरक्षा का समान महत्व है। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं का शत प्रतिशत समाधान सुनिश्चित करना राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने गांव के ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे पॉक्सो एक्ट, बच्चा गुमशुदा, बाल मजदूरी, बाल भिक्षावृत्ति, स्कूल संबंधी किसी दस्तावेज प्राप्त करने में परेशानी, आधार कार्ड, स्वास्थ्य संबंधी तथा मेडिकल सर्टिफिकेट आदि किसी भी तरह की शिकायत को आयोग के समक्ष रख सकते हैं।

शिविर में विकलांग बच्चों के सर्टिफिकेट बनाए गए। दस्तावेजों में जो कमी पाई गई, उन्हें ठीक किया गया है। अनाथ बच्चों को आर्थिक मदद प्रदान करने व सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार बच्चों को सुविधाएं व संरक्षण सुनिश्चित हो और निर्धारित समय सीमा में संबंधित प्रकरणों का निराकरण संभव किया जाए। सुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के माध्यम से निराकरण भी किया गया। उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक भी सरकारी निदेशों की अनुपालना करें।

इस अवसर पर हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण सदस्य श्याम शुक्ला, सदस्य अनिल कुमार, एसडीएम उदय सिंह, ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर राजेंद्र शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव, जिला बाल संरक्षण अधिकारी दीपिका यादव, जिला बाल कल्याण समिति की चेयरपर्सन कुसुम लता, डा. विशाल, डा. जयपाल, प्राचार्य डीएन भारद्वाज, सतवीर इंदौरा, ऊषा रस्तोगी, मंजू बाला आदि उपस्थित रहे।

सीमेंट की गुणवत्ता के बारे में दी गई जानकारी

समाचार गेट/ सोनिका सूरा

सिवानी। बुधवार देर शाम एनएच 52 पर स्थित संधू होटल में डबल बुल सीमेंट कंपनी द्वारा ठेकेदार, ग्राहक तथा राजमिस्त्री के साथ संयुक्त बैठक की गई। जिसमें डबल बुल की मास्टर प्रीमियम सीमेंट के गुणवत्ता के बारे में तथा अच्छा उपयोग से संबंधित जानकारी दी गई। बैठक में कंपनी के इंजीनियर योगेश शर्मा ने बताया कि डबल बुल सीमेंट 2021 में हरियाणा में आई थी। डबल बुल ने चार साल में ही भारत की पांच कंपनियों में शुमार हो गई।सुनील जांगड़ा और योगेश शर्मा ने मीटिंग में आए सभी व्यक्तियों को सम्मानित कियाइस मौके पर कंपनी के इंजीनियर के अलावा ठेकेदार, मकान मालिक, राजमिस्त्री उपस्थित थे।

पार्षदों की मांगे नहीं मानी तो सरकार के खिलाफ करेंगे धरना: हरियाणा ज़िला पार्षद एसोसिएशन

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। गैलेक्सी रिजॉर्ट बहादुरगढ़ में ज़िला पार्षद एसोसिएशन हरियाणा ने पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा से हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया की उपस्थिति में मुलाकात की और अपनी मांगों पर विस्तृत चर्चा उपरांत मांग पत्र सौंपा। मंत्री ने कल होने वाली कैबिनेट की बैठक में सीएम से बात करके जल्द से जल्द मांगे मानने का भरोसा दिलाया। बैठक के बाद एसोसिएशन कॉर्डिनेटर ने निर्णय लिया कि अगर एक सप्ताह में मांगे पूरी नहीं की जाती तो अगले बुधवार को करनाल सीएम आवास के सामने धरना देंगे।

सोमवार से चरण बद्ध तरीके से ज़िला परिषद कार्यालय में ताला लगाकर सरकार को चेताने का कार्य किया जायेगा।

उपरोक्त जानकारी उप प्रधान सुरेंद्र माड़िया ने दी। बैठक में कई जिलों के पार्षदों ने भाग लिया जिसमें जिला रेवाड़ी से एसोशिएशन के उप प्रधान सुरेंद्र माडिया, विनोद यादव, मनीराम यादव और बलजोर, रोहतक से एडवोकेट जगबीर खत्री, धीरज मालिक, संदीप अजायब, उपप्रमुख अनिल हुड्डा, झज्जर से संजय जांगड़ा, संजय दलाल, अमित डोंघल, पानीपत से सुरेंद्र आर्य, महावीर भान, आकाश पोड़िया, संदीप जागलान, हिसार से कमांडेंट सत्यवीर संधू, अनिल शर्मा, संदीप जेवरा, विजेंद्र खरब, फतेहाबाद से विट्टू गड़वाल, राकेश चॉयल, भाल सिंह भट्टू कलां, जसमेर गोरखपुर, अनूप धारसूल, गगन, भिवानी से समरवीर सिंह मोनू देवसर, कृष्ण तिगड़ाना, रामनिवास पटवारी मीरान, डॉक्टर सुखबीर किरावड़, दलबीर रेडू सरल, दादरी से एडवोकेट रविंद्र सांगवान, फरीदाबाद से संजय अब्बास खान, पलवल से हरबंस जाखड़, रूपचंद, राजेश मेहलावत, अजीत मास्टर रावत, रफाकत अली, मेवात से उमर मोहमद, तौफिक खान, सतीश, सोनीपत से उपप्रमुख कल्पना मोनू बागड़ू, कविता शर्मा, संजय बड़वासनी, नरेंद्र बड़ी, देवेंद्र मुकीनपुर, कुलदीप, विक्रांत संतकुमार, राजेश, सतीश गुलिया, राकेश नाथूपुर आदि मौजूद रहे।

गांव जैनाबाद में शहीद ब्रह्मदत्त शर्मा को श्रृद्धांजलि देते हुए नमन किया।

गांव में शहीद स्मारक व एक सड़क का नामकरण शहीद के नाम से करने की मांग

समाचार गेट/ निकिता माधोगडिया

रेवाड़ी। क्षेत्र के गांव जैनाबाद में शहीद ब्रह्मदत्त शर्मा की 28वीं पुण्य तिथि के अवसर पर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर गुरुगाम द्वारा शहीद सम्मान समारोह का आयोजन कियाा गया। अस्टिेंट कमांडर चरणजीत वर्मा ने शहीद ब्रह्मदत्त शर्मा की फोटो पर पुष्प चक्र अर्पित श्रृद्धांजलि देते हुए नमन किया। उनके साथ एएसआई रामकिशन, पवन कुमार, गुगन सिंह, प्रथा, सतपाल, कदम गोकुल, सुजेश गोकुल ने भी शहीद को नमन किया। उसके बाद शहीद की वीरांगणा सरस्वती देवी को सम्मान किया गया। शहीद ब्रह्मदत्त के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में पूरे परिवार की आंखें नम थी। अस्टिेंट कमांडर चरणजीत वर्मा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम गुरूप सेंटर द्वारा एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा भेजी गई टीम द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य शहीदों का उनके घर जाकर सम्मान करते हुए श्रृद्धाजंलि अर्पित करना है। अस्टिेंट कमांडर चरणजीत वर्मा ने बताया कि ब्रह्मदत्त शर्मा की 1996 में अरूणाचल प्रदेश में जेल में ड्यूटी थी और रात्रि को उग्रवादियों से उनकी मुठभेड हो गई थी, जिसमें ब्रह्मदत्त शर्मा शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसे वीर शहीदों पर हम सभी को नाज है, जिन्होंने अपने देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए। उन्होंने कहा कि शहीद पूरे समाज का होता है, शहीदों का हमें समय≤ पर सम्मान करना चाहिए। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि राजबीर प्रधान, जिला प्रार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र खोला, सूबेदार जयनारायण, मास्टर घीसाराम, लीलाराम, कैलाश पंडित, अमन शर्मा, रतन शर्मा, कर्ण सिंह, हरपाल सिंह, सहीराम, अमीलाल, नरेन्द्र उर्फ बिल्लू, ओमल, कृष्ण शर्मा, राजेश शर्मा, बीर सिंह सहित अनेक ग्रामीणों ने शहीद को श्रृद्धासुमन अर्पित किए।शहीद की वीरांगना सरस्वती देवी ने सीआरपीएफ उप महानिरिक्षक को पत्र देते हुए मांग की है कि गांव जैनाबाद में शहीद ब्रह्मदत्त शर्मा के नाम से शहीद स्मारक बनाई जाए व एक सड़क का नामकरण शहीद के नाम से किया जाए। शहीद स्मारक बनाने के लिए ग्राम पंचायत जमीन देने को तैयार है। शहीद स्मारक व सड़क का नामांकरण न केवल उनकी स्मृति को जीवित रखेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। यह हमारे सैनिकों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए दिए बलिदान व वीरता की याद दिलाएगा।

तमिलनाडु में 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 125 से अधिक मत्स्य पालन परियोजनाएं शुरू करेगी केंद्र

नई दिल्ली। (एजेंसी)

मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह शुक्रवार को तमिलनाडु के मदुरै में आयोजित होने वाले मत्स्य पालन ग्रीष्मकालीन सम्मेलन में 125 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत स्वीकृत ये पहल 100 करोड़ रुपये से अधिक के कुल निवेश को दर्शाती है।

केंद्र सरकार की प्रमुख योजना पीएमएमएसवाई का उद्देश्य मत्स्य पालन क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देना है। हालांकि, विशिष्ट वित्तीय सहायता का विवरण नहीं बताया गया लेकिन उम्मीद है कि इस योजना से स्थानीय व्यवसायों को काफी बढ़ावा मिलेगा और देश के मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होगी।

मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि विविध प्रकार की पहलों में मछली खुदरा किओस्क, झींगा हैचरी, ब्रूड बैंक, सजावटी मछली इकाइयां, बायोफ्लोक इकाइयां, मछली चारा मिलें और मछली मूल्य वर्धित उद्यम शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में सिंह मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रथम मत्स्य स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के 12 विजेताओं को अनुदान भी वितरित करेंगे। मंत्री उन लाभार्थियों से भी बातचीत करेंगे जिन्हें अपनी परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्त पोषण प्राप्त हुआ है। मत्स्य पालन ग्रीष्मकालीन सम्मेलन केंद्र तथा राज्यों के बीच संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्रों में हितधारकों के योगदान को प्रदर्शित करता है। इसका उद्देश्य केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना भी है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन तथा डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन के साथ तमिलनाडु की मत्स्य पालन मंत्री अनीता आर. राधाकृष्णन भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगी।

आईजेएमए ने जूट मिलों में प्रबंधन कर्मचारियों पर हमलों,हड़ताल को लेकर बंगाल के श्रम मंत्री को लिखा पत्र

कोलकाता। (एजेंसी)

भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) ने पश्चिम बंगाल के श्रम मंत्री मलय घटक को पत्र लिखकर संबद्ध मिलों में '' प्रबंधन कर्मियों पर हिंसक हमले तथा गैरकानूनी हड़ताल'' की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पत्र में आईजेएमए ने श्रमिकों की अनुशासनहीनता के मुद्दे को उजागर किया और कहा, ''अनुशासन सुनिश्चित करने तथा उत्पादकता बढ़ाने के प्रबंधन के प्रयासों को श्रमिकों के एक वर्ग द्वारा श्रम संघ प्रतिनिधियों की मदद से बार-बार बाधित किया जा रहा है।''

पत्र में कहा गया कि हाल ही में एलायंस मिल्स (पट्टेदार) लिमिटेड में प्रबंधन कर्मियों पर हिंसक हमला हुआ तथा गैरकानूनी हड़तालें की गईं। एसोसिएशन के अनुसार, इन घटनाओं ने '' मिलों के प्रबंधकीय तथा पर्यवेक्षी कर्मियों के बीच दहशत तथा अनिश्चितता का माहौल उत्पन्न हो गया'' जिस कारण वे अपने काम करने को लेकर अनिच्छुक हैं। एसोसिएशन ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह '' मामले में हस्तक्षेप करे और गलत तरीके से श्रमिकों को भड़काने वाले श्रम संघों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।'' साथ ही स्थानीय प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संवेदनशील बनाए, ताकि प्रबंधन द्वारा ऐसी घटनाओं की सूचना दिए जाने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। आईजेएमए ने उम्मीद जाहिर की कि राज्य सरकार के तत्काल हस्तक्षेप से '' जूट मिलों के प्रबंधन का मनोबल बढ़ेगा और उद्योग की वृद्धि में मदद मिलेगी।''

टूअल्ट बायोएनर्जी को 1जी बायोएथेनॉल के लिए 390 करोड़ रुपये से ज्यादा का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी बायोफ्यूल और बायोएनर्जी कंपनियों में से एक टूअल्ट बायोएनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) से 390 करोड़ रुपये से ज्यादा का महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। इन कंपनियों में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरीज एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड शामिल हैं। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि टूअल्ट बायोएनर्जी को इन प्रमुख तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) से 390 करोड़ से ज्यादा का ऑर्डर मिला है। कंपनी को इस ऑर्डर में अगस्त से लेकर अक्टूबर 2024 तक तीन महीने की अवधि में करीब 6 करोड़ लीटर 1जी बायोएथेनॉल की आपूर्ति शामिल है। कंपनी ने अभी तक कुल आवंटित मात्रा का लगभग 10 फीसदी लक्ष्य हासिल कर लिया है। टूअल्ट बायोएनर्जी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक (एमडी) विजय निरानी ने कहा कि हमारी यात्रा राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और भारत के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के साथ शुरू हुई, जिसका उद्देश्य जैव ईंधन, अधिक पारिस्थितिक और किफायती विकल्प की ओर रुख करके जीवाश्म ईंधन और कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की देश की जरूरत को पूरा करना था। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने जैव ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति है।

क्यों है 1जी बायोएथेनॉल

1जी बायोएथेनॉल, सेल्यूलोज से भरपूर पौधों से बना एक अल्कोहल है। इसको पारंपरिक इथेनॉल संयंत्रों में बनाया जाता है। इन संयंत्रों में मकई, चावल, गेहूं, सोरघम, चुकंदर, गन्ना, या गुड़ जैसे फीडस्टॉक का इस्तेमाल किया जाता है। इन फीडस्टॉक में मौजूद स्टार्च या शर्करा के किण्वन से बायोएथेनॉल बनता है। 1जी बायोएथेनॉल बनाने की प्रक्रिया में निष्कर्षण, सांद्रता, किण्वन, आसवन और निर्जलीकरण इकाइयां शामिल होती हैं। उल्लेखनीय है कि टूअल्ट बायोएनर्जी भारत की अग्रणी जैव ईंधन और जैव ऊर्जा कंपनियों में से एक है, जो 1जी बायोएथेनॉल और संपीड़ित बायोगैस के उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है। स्थिरता और नवाचार पर मजबूत ध्यान देने के साथ टूअल्ट बायोएनर्जी का लक्ष्य देश के ऊर्जा परिवर्तन को हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाना है।

सोने और चांदी की बढ़त के साथ शुरुआत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी आई है। सोने के वायदा कारोबार में आज बढ़त रही है। दोनों के वायदा भाव आज बढ़त पर खुले। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की कमजोर शुरुआत हुई पर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त पर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबुध 147 रुपये की बढ़त के साथ 72,815 रुपये के भाव पर खुला। ये एक समय 72,849 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,805 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 568 रुपये की तेजी के साथ 93,400 रुपये पर खुला। एक समय ये 93,520 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,325 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। हालांकि बाद में इसके भाव ठीक हो गये। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कामेक्स पर सोना 2,377.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,379.70 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव प्राइस 31.01 डॉलर था।

भारत में तेल, गैस अन्वेषण में 100 अरब डॉलर के निवेश के अवसरः हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को आयात पर भारत की निर्भरता कम करने और किफायती तथा टिकाऊ तरीके से ईंधन उपलब्ध कराने के लिए तेल एवं गैस की खोज तेज करने का आह्वान किया। 'ऊर्जा वार्ता सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि अन्वेषण तथा उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अभिन्न अंग है, जो सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''ईएंडपी 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर प्रदान करता है।'' पुरी ने कहा कि भारत की अन्वेषण तथा उत्पादन क्षमता का अब भी पूरी तरह दोहन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''मुझे यह अजीब लगता है कि भारत प्रचुर भूवैज्ञानिक संसाधनों के बावजूद तेल आयात पर इतना अधिक निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय तलछटी बेसिन में करीब 65.18 करोड़ टन कच्चा तेल और 1138.6 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस मौजूद है। पुरी ने कहा, ''हमारे तलछटी बेसिन क्षेत्र के केवल 10 प्रतिशत पर ही अन्वेषण का काम किया जा रहा है, जो वर्तमान बोली समाप्त होने के बाद 2024 के अंत तक बढ़कर 16 प्रतिशत हो जाएगा।'' उन्होंने कहा,'' हमारे अन्वेषण प्रयासों का ध्यान अभी तक न खोजे गए संसाधनों की खोज पर केंद्रित होना चाहिए।''भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 85 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरा करता है। रिफाइनरियों में कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। उन्होंने कहा, ''सरकार ईएंडपी में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपनी भूमिका निभा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने व्यापक सुधार लागू किए हैं, जिससे हितधारकों को हमारे देश की प्रगति में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है।''

बैंक ऑफ इंडिया ने दिया 935.44 करोड़ का लाभांश

मुंबई।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 935.44 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ रजनीश कर्नाटक और सभी चार कार्यकारी निदेशकों द्वारा बैंक ऑफ इंडिया के सरकारी मनोनीत निदेशक भूषण कुमार सिन्हा की उपस्थिति में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश कल लाभांश का चेक प्रदान किया गया। बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2.80 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (28 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया था। पूरे वर्ष 2023-24 के लिए, बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 57 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्त वर्ष 23 में 4,023 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 6,318 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने कहा कि सरकार को सफलतापूर्वक लाभांश का भुगतान करके उसने अपने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और अपने शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन के प्रति समर्पण की पुष्टि की है। यह उपलब्धि बैंक की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और लगातार रिटर्न उत्पन्न करने की उसकी क्षमता का प्रमाण है।

इलेक्ट्रिक परिवहन स्टार्टअप विद्युत ने इलेक्ट्रिक वाहन बेचने की ऑफलाइन सेवा की शुरू

मुंबई। बेंगलुरू स्थित इलेक्ट्रिक परिवहन स्टार्टअप विद्युत ने पुराने इलेक्ट्रिक वाहन बेचने और वित्तपोषण की ऑफलाइन सेवा बृहस्पतिवार को शुरू की। विद्युत ने एक बयान में कहा, नवीनतम ऑफलाइन सेवाएं शुरुआत में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हैदराबाद तथा बेंगलुरु में उपलब्ध कराई गई हैं। चालू वित्त वर्ष के अंत तक इन्हें मुंबई, चेन्नई, पुणे, लखनऊ, आगरा और कानपुर सहित छह और बाजारों में विस्तारित करने की योजना है। कंपनी के सह-संस्थापक क्षितिज कोठी ने कहा, ''एक मजबूत पुनर्विक्रय बाजार की अनुपस्थिति ईवी अपनाने की गति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है।इस पुनर्विक्रय मंच की शुरुआत के साथ हम सटीक व तथा पारदर्शी वाहन तथा बैटरी मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' विद्युत की शुरुआत नवंबर 2021 में एक वाणिज्यिक ईवी वित्तपोषण मंच के रूप में की गई थी।

वित्त मंत्रालय ने बाह्य आपूर्ति फॉर्म में संशोधन के लिए जीएसटीआर-1ए को किया अधिसूचित

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने जीएसटीआर-1ए फॉर्म को अधिसूचित कर दिया है, जिससे करदाताओं को बाह्य आपूर्ति या बिक्री रिटर्न फॉर्म में संशोधन का विकल्प मिलेगा। जीएसटी परिषद ने पिछले महीने करदाताओं को कर अवधि के लिए जीएसटीआर-1 फॉर्म में विवरण संशोधित करने और/या अतिरिक्त विवरण घोषित करने की सुविधा देने के लिए जीएसटीआर-1ए फॉर्म के जरिये एक नई वैकल्पिक सुविधा प्रदान करने की सिफारिश की थी। हालांकि, उक्त कर अवधि के लिए जीएसटीआर-3बी में रिटर्न दाखिल करने से पहले जीएसटीआर-1ए दाखिल करना होगा। वित्त मंत्रालय ने 10 जुलाई को जीएसटीआर-1ए फॉर्म अधिसूचित किया। कारोबारी सलाहकार कंपनी मूर सिंघी के कार्यकारी निदेशक रजत मोहन ने कहा कि केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटीआर-1ए फॉर्म की वैकल्पिक सुविधा के साथ जीएसटी अनुपालन ढांचे में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। उन्होंने कहा, ''समय पर सुधार की सुविधा प्रदान करके, फॉर्म जीएसटीआर-1ए यह सुनिश्चित करता है कि सही कर देयता फॉर्म जीएसटीआर-3बी में स्वतः भर जाए, जिससे त्रुटियां कम होंगी और एक सुव्यवस्थित अनुपालन प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा।'' केपीएमजी के अप्रत्यक्ष कर प्रमुख एवं साझेदार अभिषेक जैन ने कहा कि जीएसटीआर-1 में सुधार की अनुमति देने के लिए प्रावधान करना एक स्वागत योग्य कदम है। इससे व्यवसायों के लिए जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी के बीच नियमित मिलान पर होने वाले अवांछित विवादों (खासकर अनजाने में होने वाली त्रुटियों) को रोकने में मदद मिलेगी। पांच करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाले करदाता तिमाही के अंत के 13वें दिन के भीतर जीएसटीआर-1 दाखिल कर सकते हैं, जबकि जीएसटीआर-3बी अगले महीने के 22वें तथा 24वें दिन के बीच दाखिल किया जाता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। गम दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई पर कुछ समय बाद ही ये नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.43 अंक करीब 0.03 फीसदी नीचे आकर 79,897.34 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी भी 8.50 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी टूटकर 24,315.95 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। आईटीसी , टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, एसबीआई और टाइटन के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, रिलायंस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में बढ़त रही।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर लाल नुकसान के साथ ही बंद हुए।

बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया और पावर ग्रिड सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक अदाणी पोर्ट्स और एचयूएल के शेयर गिरे।

वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में बढ़त रही इसके अलावा यूरोपीय बाजार में भी सकारात्मक माहौल रहा। गत दिवसय अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 142 अंक या 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,066.57 के स्तर पर पहुंच गया, वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.20 फीसदी तकरीबन 50 अंक उछलकर 24,373.95 के स्तर पर कामकाज कर रहा था।

निफ्टी स्मॉलकैप 0.31 फीसदी जबकि मिडकैप 0.29 फीसदी उछला। वहीं सेक्टोरल आधार पर, निफ्टी आईटी 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे सुबह गिफ्ट निफ्टी भी बढ़त पर कारोबार करता दिखा। यह लगभग 24,395 के आसपास कारोबार कर रहा था, जो निफ्टी वायदा के पिछले बंद स्तर से लगभग 55 अंक के प्रीमियम पर है। वहीं घरेलू इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक लगभग आधा फीसदी टूटकर बंद हुए, जिसमें निफ्टी 50 24,400 के स्तर से नीचे समाप्त हुआ।

देश के शीर्ष आठ शहरों में अप्रैल-जून में मकानों की बिक्री में छह प्रतिशत गिरावटः प्रॉपटाइगर

नई दिल्ली। देश के शीर्ष आठ शहरों में मकानों की बिक्री में अप्रैल-जून में पिछली तिमाही की तुलना में छह प्रतिशत की गिरावट आई है। आवासीय ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर ने बृहस्पतिवार को आवासीय मांग और आपूर्ति के तिमाही आंकड़े जारी किए। प्रॉपटाइगर आरईए इंडिया का हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून की अवधि में आवासीय बिक्री छह प्रतिशत घटकर 1,13,768 इकाई रह गई, जबकि इससे पहले जनवरी-मार्च तिमाही में यह 120,642 इकाई थी। हालांकि, अप्रैल-जून में आवासीय बिक्री 42 प्रतिशत बढ़ी, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 80,245 इकाईयां बिकी थीं। आरईए इंडिया के समूह समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विकास वधावन ने कहा, ''आम चुनाव के कारण अप्रैल-जून में मकानों की मांग में कमी आई, हालांकि मजबूत बुनियादी बातों के कारण रियल एस्टेट निवेश के प्रति उपभोक्ता भावना बेहद सकारात्मक बनी हुई है।'' वधावन ने कहा, ''केंद्र में नई सरकार के गठन के बाद निवेश-समर्थक केंद्रीय बजट की उम्मीदों के बीच हमारे पास यह मानने की वजह है कि आगामी तिमाहियों में खासकर त्योहारी महीनों में बिक्री में मजबूती आएगी।'' रिपोर्ट में शामिल आवासीय बाजार अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद), मुंबई महानगर क्षेत्र (मुंबई, नवी मुंबई तथा ठाणे) और पुणे हैं।

अदाणी समूह के विझिनजाम बंदरगाह पर आई पहली मदर शिप, रच दिया इतिहास

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)

केरल के कोवलम बीच के पास भारत के पहले ट्रांस-शिपमेंट अदाणी समूह के विझिनजाम बंदरगाह पर गुरुवार को पहली मदर शिप आई। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिपिंग कंपनी मर्क्स के जहाज %सैन फर्नांडो% ने 2,000 से अधिक कंटेनरों के साथ बंदरगाह पहुंच कर इतिहास रच दिया। इस विशाल जहाज को पारंपरिक सलामी दी गई, जिसके बाद यह सफलतापूर्वक बर्थ पर पहुंच गया। पहली मदर शिप के आने के साथ, अदाणी समूह के विझिनजाम बंदरगाह ने भारत को विश्व शिपिंग बिजनेस के पटल पर ला दिया है। इस तरह यह बंदरगाह वैश्विक स्तर पर 6ठे या 7वें स्थान पर होगा। इस मौके पर केरल के बंदरगाह मंत्री वी.एन. वासवन, अदाणी बंदरगाह के अधिकारी और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने मदर शिप का स्वागत किया। हालांकि आधिकारिक समारोह शुक्रवार को होगा।

शुक्रवार को होने वाले समारोह में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अदाणी मौजूद रहेंगे। आधिकारिक उद्घाटन के तुरंत बाद, मदर शिप कोलंबो के लिए रवाना हो जाएगी। इसके बाद कई और जहाज माल लेकर यहां आने वाले हैं। इसके साथ ही शुक्रवार को ही बंदरगाह के पहले चरण का काम आधिकारिक रूप से समाप्त हो जाएगा। 3,000 मीटर का ब्रेकवाटर और 800 मीटर का कंटेनर बर्थ अब पूरी तरह तैयार है। कनेक्टिविटी के लिए 1.7 किमी का एप्रोच रोड भी लगभग बन कर तैयार हो चुका है। साथ ही दफ्तर, सिक्योरिटी एरिया भी तैयार है और बिजली की लाइनें भी पहुंच गई हैं। इस बंदरगाह की एक खास बात यह है कि यह देश का पहला सेमी ऑटोमेटेड कंटेनर टर्मिनल है और यह हाइड्रोजन और अमोनिया जैसे स्वच्छ और हरित ईंधन की आपूर्ति करने वाला एक ग्लोबल बंकरिंग हब भी होगा। बंदरगाह पर पूर्ण रूप से कमर्शियल गतिविधियां कुछ महीनों में शुरू होने वाली है।

रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.49 प्रति डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को समर्थन मिला और बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए दो पैसे मजबूत होकर 83.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.49 पर खुला जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.93 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 583.96 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

एनपीसीआई इंटरनेशनल की कतर में यूपीआई भुगतान शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर में क्यू आर कोड आधरित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान सेवा शुरू करने के लिए क्यूएनबी के साथ करार किया है। एनपीसीआई ने आज यहां जारी बयान में कहा कि मध्य पूर्व और अफ्रीका के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान क्यूएनबी के साथ देश भर में क्यूआर कोड-आधारित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल क्यूएनबी मर्चेंट नेटवर्क के माध्यम से कतर में यूपीआई भुगतान स्वीकृति को सक्षम करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिससे देश में आने और वहां से गुजरने वाले भारतीय यात्रियों को बहुत लाभ होगा। यह साझेदारी भारतीय पर्यटकों को खुदरा स्टोर, पर्यटक आकर्षण, अवकाश स्थलों, शुल्क-मुक्त दुकानों और होटलों में अपनी पसंदीदा भुगतान विधि का उपयोग करने का विकल्प प्रदान करेगी। यह घोषणा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय कतर में अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के दूसरे सबसे बड़े समूह के रूप में रैंक करते हैं।

भारत का श्रीलंका दौरा 26 जुलाई से, गंभीर की बतौर कोच पहली परीक्षा

कोलंबो (एजेंसी)। भारत का श्रीलंका दौरा 26 जुलाई से शुरू होगा। इस दौरे पर टीम इंडिया 3 मैचों की टी20 सीरीज के अलावा तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी। पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम सीरीज के टी20ई चरण की मेजबानी करेगा, जबकि आर प्रेमदासा को 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी। पहला ज्ञ20द्ध 26 जुलाई को होगा, उसके बाद 27 जुलाई को दूसरा और 29 जुलाई को अंतिम होगा। दोनों टीमें नए मुख्य कोचों के साथ मैदान पर उतरेंगी। श्रीलंका के लिए सनथ जयसूर्या अंतरिम मुख्य कोच हैं जबकि भारत के लिए राहुल द्रविड़ के बाद पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर मुख्य कोच बनकर श्रीलंका पहुंचेंगे।

दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय सफेद गेंद सीरीज के आखिरी मुकाबले जुलाई 2021 में हुए था, जिसमें द्रविड़ ने शिखर धवन के नेतृत्व वाली टीम को कोचिंग दी थी। भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती जबकि श्रीलंका ने समान अंतर से टी20ई श्रृंखला हासिल की थी। टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराने के बाद यह भारत की दूसरी टी20ई श्रृंखला होगी। वर्तमान में टीम इंडिया शुभमन गिल के नेतृत्व और वीवीएस लक्ष्मण की कोचिंग में जिमबाब्वे के दौरे पर है। सीरीज फिलहाल 2-1 से भारत के कब्जे में है।

वहीं, श्रीलंका के लिए टी20 विश्वकप अच्छा नहीं रहा था। वह सुपर 8 में पहुंचने में असफल रहे थे। उन्होंने ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हार झेली। नेपाल के खिलाफ उनका खेल बारिश के कारण रद्द हो गया था। केवल तीन अंकों के साथ लंका ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रही।

भारत के लिए टी20 में रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कप्तानी कर सकते हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल वनडे में टीम का नेतृत्व करेंगे। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि हार्दिक पंड्या टी20 में भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, रोहित शर्मा ने संन्यास की घोषणा कर दी है। हार्दिक को श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए आराम दिए जाने की भी संभावना नहीं है। बता दें कि टी20 विश्व कप में पंड्या ने 6 पारियों में 48.00 के औसत और 151.57 के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए थे। इसी तरह 8 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 11 विकेट लिए थे।

श्रीलंका बनाम भारत टी20 सीरीज

पहला टी20आई: 26 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

दूसरा टी20आई : 27 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

तीसरा टी20आई: 29 जुलाई, पल्लेकेले, शाम 7 बजे

श्रीलंका बनाम भारत वनडे सीरीज

पहला वनडेः 1 अगस्त, कोलंबो, भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे

दूसरा वनडेः 4 अगस्त, कोलंबो, भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे

तीसरा वनडेः 7 अगस्त, कोलंबो, भारतीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया !

–यूएई या श्रीलंका में रखे जा सकते हैं भारतीय टीम के मैच

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान शायद ही जाये। ऐसे में माना जा रहा है कि ये टूर्नामेंट भी एशिया कप की तरह ही हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। इस टूर्नामेंट के कुछ मैच यूएई या श्रीलंका में भी आयोजित किए जा सकते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को जो कार्यक्रम सौंपा था, उसमें भारतीय टीम के सभी मैच लाहौर में रखे गए थे जिसमें एक मार्च को दोनों के बीच होने वाला मैच रखा गया है। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस कार्यक्रम को लेकर अपनी मंजूरी नहीं दी है। शामिल था। बीसीसीआई की ओर से इसपर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय टीम के पाक जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में ये टूर्नामेंट भी हाइब्रिड मॉडल पर हो सकता है। इसके तहत भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में रखे जा सकते हैं। ये भी हो सकता है कि भारतीय टीम के मैच एशिया कप की तरह ही यूएई या श्रीलंका में रखे जाएं। आईसीसी ने अभी तक इस बार में कुछ स्पष्ट नहीं है। अब देखना है कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करता है।

इससे पहले पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच पाकिस्तान में ही रखे जाएंगे। नकवी ने कहा कि जुलाई के अंत में कोलंबो में होने वाली आईसीसी बोर्ड मीटिंग के दौरान इस मुद्दे को उठाया जाएगा। भारत ने 2012-13 सत्र के बाद से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है।

जडेजा सहित कुछ खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर, श्रेयस को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच बनने के साथ ही टीम में बदलाव होने भी तय है। ऐसे में जहां कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर होना पड़ सकता है। इन खिलाड़ियों में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा भी हैं। जडेजा टीम के मैच विजेता खिलाड़ी रहे हैं पर पिछले काफी समय से वह लय में नहीं हैं। उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही। ये लगातार देखने में आया है। मैदान में वह गेंदबाजी के दौरान विकेट नहीं ले पा रहे। दूसरी ओर उनका बल्ला भी खामोश है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह कोई युवा खिलाड़ी ले सकता है। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी जिम्बाब्वे में खेल रहे हैं और उन्हीं में से किसी खिलाड़ी को जडेजा की जगह मिल सकती है।

वहीं टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे की संभावनाएं भी अब तकरीबन समाप्त हो गयी हैं।

रहाणे पहले ही टी20 और एकदिवसीय प्रारुप से बाहर हो गये थे। अब गंभीर के आने के बाद उनकी टेस्ट फॉर्मेट में भी वापसी संभव नहीं है क्योंकि अब वह 36 साल के हो गये हैं और गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को रखना चाहेंगे जो लंबे समय तक रहें। इसके अलावा टेस्ट बल्लेबाज

चेतेश्वर पुजारा की वापसी की संभवना भी समाप्त हो गयी है। पुजारा पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं और उनकी उम्र भी 36 साल की हो गयी है। ऐसे में उनका कैरियर भी अब समाप्त है।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गयी हैं। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था हालांकि उन्होंने एकदिवसीय विश्वकप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। श्रेयस आईपीएल विजेता केकेआर टीम के कप्तान हैं जबकि गंभीर इसी टीम के मेंटोर रहे हैं और उन्हें पसंद करते हैं। ऐसे में अब श्रेयस की वापसी की अच्छी संभावनाएं बन रही हैं।

स्टार्क ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच से बाहर रखे जाने पर जताई नाराजगी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण के मैच में बाहर रखे जाने पर नाराजगी जताई है। टी20 विश्व कप 2021 की चैम्पियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को अफगानिस्तान के हाथों 21 रन से अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा और टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। ऑस्ट्रेलिया ने स्टार्क की जगह एश्टोन एगर को उतारा था लेकिन वह कोई विकेट नहीं ले सके। स्टार्क ने कहा, 'टीम प्रबंधन ने मैच अप पर भरोसा किया क्योंकि पिछले मैच पर उस मैदान पर स्पिनर चल रहे थे। इसलिए एश्टोन को मौका दिया गया। उसने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अफगानिस्तान ने स्पिन को बखूबी खेला और शायद हालात का आकलन हमसे बेहतर किया था। हमने कुछ गलतियां कीं जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा।' उन्होंने टूर्नामेंट के शेड्यूल पर भी नाराजगी जताते हुए कहा, 'ग्रुप चरण में हम इंग्लैंड से आगे थे और अचानक ही अलग ग्रुप में आ गए। हमें दो मैच दिन रात के मिले और तीसरा मैच दिन का था। हम सर्वश्रेष्ठ तैयारी नहीं कर सके। हमारी फ्लाइट में विलंब हो गया और होटल हवाई अड्डे से डेढ़ घंटा दूर था। अगले दिन सुबह मैच खेलना था।''

'विकेट मेरा है, खाते में उसके जाना चाहिए', आवेश खान ने बिश्नोई के शानदार कैच की तारीफ की

हरारे (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान ने अपने साथी स्पिनर रवि बिश्नोई की विशेष प्रशंसा की। बिश्नोई का जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20आई में शानदार कैच मुख्य आकर्षण था। पांच मैचों की मौजूदा टी20आई सीरीज में भारत ने तीसरे मैच में 23 रन की जीत के बाद 2-1 की बढ़त हासिल करने के लिए वापसी की। 182 रनों का बचाव करते हुए बिश्नोई ने मैदान पर जादू बिखेरा और पावरप्ले के अंदर जिम्बाब्वे का स्कोर 19/3 पर पहुंचा दिया। ब्रायन बेनेट ने गेंद को शक्तिशाली तरीके से काटने की कोशिश की लेकिन 30 गज के घेरे को पार करने में विफल रहे, जिसमें बिश्नोई बाधा साबित हुए। उन्होंने हवा में छलांग लगाई और रिएक्शन कैच लिया जिससे बेनेट के चेहरे पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान आ गई। आवेश ने 23 वर्षीय खिलाड़ी की फील्डिंग के लिए प्रशंसा की और बीसीसीआई द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हम हैरान थे। वह एक अच्छा फील्डर है और अपनी फील्डिंग पर काम करता है। मुझे विकेट मिला, लेकिन यह उसके खाते में जाना चाहिए (विकेट मेरा है खाते में उसके जाना चाहिए)।' रिंकू सिंह ने बिश्नोई के उल्लेखनीय प्रयास को स्वीकार किया, लेकिन उनका मानना है कि उन्होंने अपने करियर में बेहतर कैच पकड़े हैं। रिंकू ने कहा, 'उन्होंने इससे बेहतर कैच पकड़े हैं। यह एक बेहतरीन कैच था।' भारत के कप्तान शुभमन गिल ने युवा स्पिनर की प्रशंसा की और कहा, ''यह देखना सुखद था। टीम की जीत से बहुत खुश हूं। बिशी (बिश्नोई) ने जो कैच लिया वह बिल्कुल उल्लेखनीय था। क्रिकेट एक टीम खेल है। जब आप फील्डिंग कर रहे होते हैं तो मौज-मस्ती करना बहुत जरूरी होता है और अगर आप मौज-मस्ती कर रहे हैं, तो आप हमेशा खेल में बने रहते हैं।'

विम्बलडन : मुसेत्ती पहली बार सेमीफाइनल में, जोकोविच से होगा सामना

लंदन। इटली के लोरेंजो मुसेती ने अमेरिका के टेलर फिट्ज को हराकर विम्बलडन सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और करियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम चार में पहुंचे हैं। उन्होंने साढे तीन घंटे तक चला यह मुकाबला 3.6, 7.6, 6.2, 3.6, 6.1 से जीता। मुसेती पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे पहुंचे हैं लेकिन अब उनके सामने नोवाक जोकोविच के रूप में करियर की सबसे बड़ी चुनौती है। सात बार के चैम्पियन जोकोविच 13वीं बार विम्बलडन और 49वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं और उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। महिला वर्ग में 2022 की चैम्पियन एलेना रिबाकिना ने एलिना स्वितोलिना को 6.3, 6.2 से हराया। वहीं 31वीं रैंकिंग वाली बारबरा क्रेइसिकोवा ने 13वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6.4, 7.6 से मात दी।

पेरिस ओलंपिक में अदिति से पदक जीतने की उम्मीद : पीजीटीआई के नए अध्यक्ष कपिल देव

नई दिल्ली - महान क्रिकेटर और पीजीटीआई के नये अध्यक्ष कपिल देव का मानना है कि भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक की फॉर्म अगर दबाव भरे हालात में भी बरकरार रहे तो वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती हैं। अदिति ने तोक्यो ओलंपिक में अंत तक पदक की दौड़ में बनी रही थी लेकिन फिर पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहीं। तब वह कांस्य पदक विजेता लिडिया को से एक स्ट्रोक और स्वर्ण पदक विजेता नेली कोर्डा से दो स्ट्रोक पीछे रही। कपिल ने कहा, 'मैं अदिति को उसी जोश के साथ खेलते देखना चाहता हूं, जैसा वह तोक्यो ओलंपिक में खेली थीं।' उन्होंने कहा, 'क्रिकेटरों और गोल्फरों के लिए फॉर्म बहुत अहम है। अगर अदिति इसी फॉर्म में खेलती हैं तो उनके पास पदक जीतने का अच्छा मौका है। लेकिन अगर हफ्ते का प्रदर्शन खराब रहा तो उन्हें फिर मायूस होना पड़ेगा।'

टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी: साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लगता है कि अगर उन्होंने बैडमिंटन खेलने के बजाय टेनिस का रैकेट पकड़ा होता तो वह बतौर खिलाड़ी और बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती थीं। बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है जिसमें वह दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं और वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं।

राष्ट्रपति भवन में 'हर स्टोरी - माई स्टोरी' बातचीत के दौरान साइना ने कहा, 'कभी कभार मुझे लगता है कि अगर मेरे माता पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता।' उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी।' साइना ने कईयों को बैडमिंटन में आने के लिए प्रेरित किया है लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था।

साइना ने कहा, 'जब मैंने शुरूआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, 'मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं।' मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था।' लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते।

उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं। चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं। इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते।' साइना ने कहा, 'मैं विशेषकर लड़कियों से आगे आने के लिए कहूंगी कि वे फिट होना शुरू करें और खेलों में आएं। अब हम बच्चों के लिए मौजूद हैं, उनके लिए प्रेरणा के लिए दुनिया की नंबर एक, ओलंपिक चैम्पियन और इतनी सारी पदक विजेता हैं।'

उन्होंने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने प्रतिभा की कमी की भरपाई की। साइना ने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है, मैं इतनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी नहीं थी। मुझे काफी मेहनत करनी पड़ती थी। अगर कोई प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोई चीज 100 बार करता था तो मुझे इसे 1000 दफा करना पड़ता था। लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है। मेरे कोचों को मेरा कभी हार नहीं मानने वाला जज्बा पसंद है।'

स्टॉपेज टाइम में गोल, नीदरलैंड को हराकर यूरो फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

डॉर्टमंड। एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्टॉपेज टाइम में ओली वाटकिंस के गोल के दम पर इंग्लैंड ने नीदरलैंड को 2–1 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना स्पेन से होगा। इंग्लैंड के कोच जेरेथ साउथगेट ने कप्तान हैरी केन की जगह वाटकिंस को मैदान पर बुलाने का साहसिक फैसला लिया और स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में उसने गोल करके इसे सही साबित कर दिया। यूरो 2024 के नॉकआउट चरण में इंग्लैंड के लिए जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था। इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को अंतिम 16 के मुकाबले में हराया और स्विटजरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इंग्लैंड ने आखिरी बार 1966 विश्व कप में खिताबी जीत दर्ज की थी जिसके बाद से टीम कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी है। वाटकिंस इससे पहले इस बार यूरो चैम्पियनशिप में डेनमार्क के खिलाफ ग्रुप मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे थे। साउथगेट ने 80वें मिनट में जब उन्हें उतारने का फैसला किया तो सभी को हैरानी हुई। लेकिन यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। इंग्लैंड पहली बार विदेश में फाइनल खेलेगा। उसने 1966 विश्व कप वेम्बले स्टेडियम पर जीता था और यूरो 2020 फाइनल भी वहीं खेला गया था जिसमें उसे इटली ने हराया था। नीदरलैंड के लिए 21 वर्ष के जावी सिमंस ने पहला गोल दागा। वहीं केन ने बराबरी का गोल पेनल्टी पर किया।

आज बुमराह जैसे दूसरा गेंदबाज नहीं : रमीजे

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट का विवादों से पुराना नाता रहा है। टी20 विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़ा रुख अपना लिया है। इसी के तहत ही दो चयनकर्ताओं को हटा दिया गया है। टीम के सबसे बड़े गेंदबाज शाहीन अफरीदी की भी जांच चल रही है। शाहीन पर मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और टीम प्रबंधन से बदसलूकी के आरोप हैं। पीसीबी शाहीन के मामले में बेहद गंभीर है और अगर वह दोषी पाये गये तो उनपर सख्त कार्रवाई हो सकती है। बोर्ड इस बात की जांच कर रहा है कि उस घटना में शाहीन के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गयी। शाहीन का मामला चयनकर्ता वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को चयनकर्ता पद से हटाए जाने के बाद सामने आया है। वहीं पद से हटाए जाने के बाद वहाब ने कहा कि वे किसी प्रकार के आरोप नहीं लगा रहे हैं पर ये साफ है कि सभी चयनकर्ता को बराबर अधिकार थे। इसलिए किसी एक को निशाना बनाना ठीक नहीं है। वहाब ने कोच कर्स्टन और सहयोगी स्टाफ की तारीफ की है। इससे पहले शाहिद अफरीदी ने पीसीबी पर कप्तान बाबर आजम को जरूरत से ज्यादा मौके देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'उन्हें (पीसीबी) को कप्तान या कोच पर कोई फैसला लेना चाहिए। जहां तक बाबर की बात है उसे जरुरत से ज्यादा अवसर मिले जबकि अन्य को एक सीरीज के आधार पर ही बाहर कर दिया जाता रहा है।'

उतार चढावों ने मानसिक रूप से मजबूत बनाया, अपने चौथा ओलंपिक से पहले बोले मनप्रीत सिंह

बेंगलुरू (एजेंसी)। अभावों में बीता बचपन, मां के बेहिसाब संघर्ष, करियर में झूठे आरोप सभी कुछ झेला है मनप्रीत सिंह ने लेकिन कठिनाइयों की आग में तपकर कुंदन बना मीठापुर का यह हॉकी स्टार अब पेरिस में कैरियर का चौथा ओलंपिक खेलेगा। तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे मनप्रीत ने ओलंपिक के लिए रवानगी से पहले कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने कभी सोचा नहीं था कि चार ओलंपिक खेल पाऊंगा। हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना। मैं खुद को काफी खुशकिस्मत मानता हूं कि ये मेरा चौथा ओलंपिक है।'

मात्र 19 वर्ष की उम्र में 2011 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, 'मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।' ओलंपिक पदक जीतने के बाद हालांकि उन्होंने अपने करियर का सबसे बुरा दौर देखा जब पूर्व कोच शोर्ड मारिन ने अपनी किताब में उन पर आरोप लगाया कि 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उन्होंने एक युवा खिलाड़ी को जान बूझकर खराब खेलने के लिए कहा ताकि उनके दोस्त को टीम में जगह मिल सके।

मनप्रीत ने पहली बार उन आरोपों के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि वह पूरी तरह टूट गए थे और उनका भरोसा हर किसी पर से उठ गया था हालांकि टीम ने उनका पूरा साथ दिया जिसकी वजह से वह इससे उबर सके। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए वह सबसे कठिन दौर था। मैं इस तरह की चीजों के बारे में कभी सोच भी नहीं सकता था। उस समय टीम ने मेरा साथ दिया और कहा कि हम तुम्हें जानते हैं और तुम्हारे साथ हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं टूट गया था और हर चीज से विश्वास उठ गया था। मैंने श्रीजेश (पी आर) को बताया जिससे मैं सब कुछ साझा करता हूं। मेरी मां ने मुझे हौसला दिया कि अपने पिता का सपना पूरा करने के लिए खेलते रहो और उस पल से मैंने उस प्रकरण को भुला दिया।'

32 वर्ष के इस खिलाड़ी ने कहा, 'खराब दौर में घर वालो का साथ, टीम का सहयोग बहुत जरूरी है क्योंकि उस समय खिलाड़ी खुद को बहुत अकेला पाता है। जब टीम साथ खड़ी होती है तो बहुत हौसला मिलता है और वापसी करने में मदद भी। हमने अभी क्रिकेट में भी हार्दिक पांड्या को शानदार वापसी करते देखा।' एशियाई खेल 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनप्रीत ने भारत के लिये 370 मैचों में 27 गोल दागे हैं।

तोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक रहे इस खिलाड़ी ने अपने सफर के बारे में कहा, 'अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो सपने जैसा लगता है। मैंने बचपन में गरीबी करीब से देखी है। पिता दुबई में कारपेंटर का काम करते थे लेकिन वहां से मेडिकल कारणों से वापस आ गए थे। मेरी मां ने बहुत संघर्ष किया और मेरे दोनों भाई भी हॉकी खेलते थे लेकिन आर्थिक परेशानी के कारण उन्होंने छोड़ दी।'

उन्होंने कहा, 'हमने बहुत कठिन समय देखा जब घर में मूलभूत जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन मेरे परिवार का बहुत साथ रहा है जिससे मैं अपने शौक को परवान चढ़ा सका।' अजलन शाह कप 2016 के दौरान पिता की मौत के बाद तुरंत लौटकर पाकिस्तान के खिलाफ गोल करने वाले इस जुझारू खिलाड़ी ने कहा कि अब कप्तान नहीं होने के बावजूद उनकी टीम को लेकर प्रतिबद्धता वही रहेगी। उन्होंने कहा, 'अब मैं कप्तान नहीं हूं तो भी कोई फर्क नहीं लगता। हॉकी में हर खिलाड़ी की अपनी भूमिका है। कोशिश यही रहती है कि सभी को साथ लेकर चलना है। सीनियर होने के नाते युवाओं को प्रेरित करना है।'

मीठापुर से ही निकले ओलंपियन परगट सिंह को अपना आदर्श मानने वाले मनप्रीत ने कहा कि तोक्यो से पेरिस तक टीम की तैयारियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक से पहले कोविड के कारण काफी समय खिलाड़ी साथ रहे थे जिससे तालमेल शानदार रहा। उसी को जारी रखेंगे क्योंकि 11 खिलाड़ी वहीं हैं जो तोक्यो में थे। हम अपने अनुभव पांचों नए खिलाड़ियों से बांट रहे हैं। किसी टीम को हलके में नहीं लेना है और फोकस से हटना नहीं है।'

अपने पसंदीदा खिलाड़ियों महेंद्र सिंह धोनी, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और डेविड बैकहम की तरह सात नंबर की जर्सी पहनने वाले मनप्रीत ने कहा कि ओलंपिक में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा, 'हमारा पूल कठिन है और हम किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते। न्यूजीलैंड ने हमें विश्व कप में हराया है और आयरलैंड ने हाल ही में बेल्जियम को मात दी है। हमारा फोकस खुद पर है कि हम कैसे अपनी रणनीति पर अमल कर पाते हैं।' उन्होंने कहा, 'अच्छी टीमों के खिलाफ मौके कम मिलते हैं लेकिन 50-50 मौकों को शत प्रतिशत में बदलना ही चैम्पियन की निशानी है।'

पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे अक्षदीप

नई दिल्ली। आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाडी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

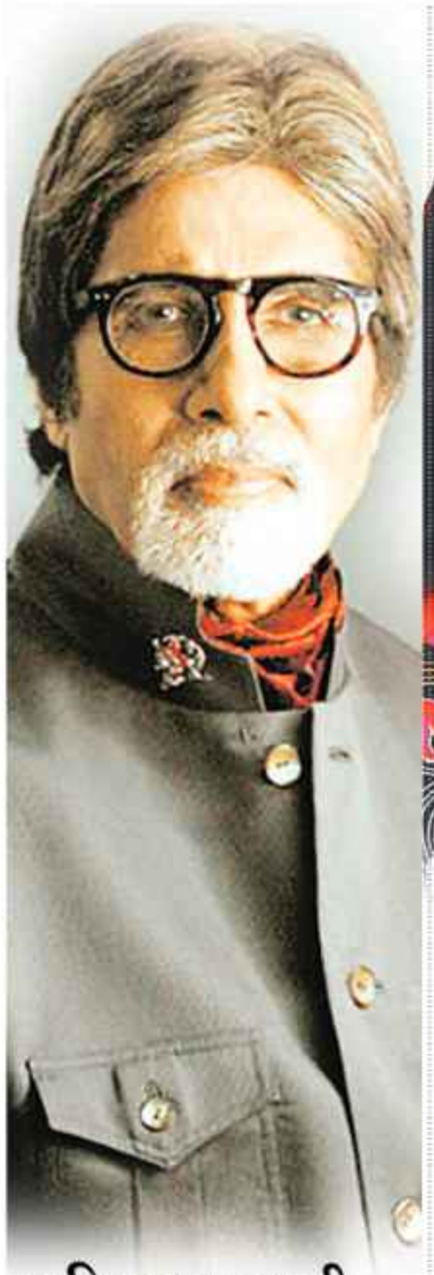

कल्कि 2898 एडी में कलाकारों की परफॉर्मेंस और मेकर्स की प्रेजेंटेशन प्रेरणादायक

कल्कि 2898 एडी सिर्फ देश ही नहीं विदेशों में भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फैंस को फिल्म की कहानी पसंद आ रही है। इस बीच मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने फिल्म मेकर्स और कलाकारों के काम की तारीफ करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। अमिताभ बच्चन इस फिल्म में अश्वत्थामा के किरदार में है।

बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा, फिल्म मेकर्स के काम की निपुणता, कलाकारों की परफॉर्मेंस, प्रोडक्शन और प्रेजेंटेशन सभी प्रेरणादायक हैं। एक्टर ने कहा कि क्रिएटिविटी की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, हां, प्रेरणादायी सही शब्द है, क्योंकि इसमें अपनाने के लिए बहुत कुछ है... क्रिएटिविटी शानदार है... हर दिन और हर घंटा लर्निंग ग्राफ है, और इसके साथ चलते रहना है। कल्कि 2898 एडी महाभारत महाकाव्य पर आधारित साइंस फिक्शन फिल्म है, जिसमें प्रभास ने भैरवा का किरदार निभाया है जबकि दीपिका पादुकोण ने मजबूत महिला सुमति का रोल प्ले किया है, जो कोख में पल रहे बच्चे के लिए संघर्ष करती है। वहीं कमल हासन ने विलेन यास्किन का किरदार निभाया है जबकि दिशा पाटनी रॉक्सी की भूमिका में हैं। फिल्म में कई स्टार स्पेशल अपीयरेंस में हैं, जिनमें डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा, फिल्म मेकर एस.एस. राजामौली, एक्टर विजय देवरकोंडा, दुलकर सलमान और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर शामिल हैं।

सितारों के संग आने वाली टीम की वजह से मंहगा हुआ फिल्म निर्माण

इन हस्तियों ने उठाई है आवाज

बीते कुछ समय से कई बॉलीवुड हस्तियों ने दावा किया है कि फिल्में बनाना उनके लिए अब काफी खर्चीला होता जा रहा है। फिल्में बनाने में निर्माताओं को मोटा पैसा खर्च करना पड़ रहा है और ये खर्चे फिल्म के ऊपर ना हो कर सितारों के संग आने वाली उनकी टीम के ऊपर हो रहा है। कई जानी-मानी फिल्मी हस्तियों ने दावा किया है कि आज कल फिल्मी सितारे अपने साथ अपनी लंबी-चौड़ी टीम साथ लेकर चलते हैं, जिनका खर्चा फिल्म निर्माताओं के जेब से भरा जाता है।

फराह खान

फराह खान बॉलीवुड के दुनिया की एक मशहूर हस्ती हैं। उन्होंने करियर की शुरुआत उन्होंने बतौर कोरियोग्राफर की थी। फिल्म मैं हूं ना से उन्होंने बतौर निर्देशक अपनी नई पारी की शुरुआत की थी, जो काफी सफल भी रही थी। फराह ने बतौर निर्माता पांच फिल्में बनाई हैं, इसलिए बतौर निर्माता वो इन बातों से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने भी कई मौकों पर अदाकारों के साथ चलती उनकी लंबी चौड़ी टीम को और उनके बढ़ते खर्चों पर बात की है। उन्होंने एक बार कहा था, मैं इंडस्ट्री में एक बदलाव लाना चाहूंगी कि अभी सितारो के साथ उनकी टीम का खर्च काफी बढ़ गया है। एक अभिनेत्री नौ लोगों की टीम के साथ आती है। वहीं, एक अभिनेता अपने साथ आठ लोगों की टीम लेकर आता है। ये पैसे की बर्बादी है। इसे थोड़ा नियंत्रित करना काफी आवश्यक है।

अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक हैं। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया है। उनकी फिल्मों की अपनी एक अलग शैली है, जिसके तहत वो फिल्में बनाते हैं। उन्होंने ने भी इस विषय पर अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा था कि बॉलीवुड में फालतू खर्च काफी होते हैं। फिल्में महंगी हो गई हैं क्योंकि सितारों की मांग बहुत बढ़ गई है। उन्होंने कहा था, लोगों को एक बात समझने की जरूरत है कि जब हम एक फिल्म बनाते हैं, तो हम काम कर रहे होते हैं, हम कुछ बना रहे होते हैं। यह कोई पिकनिक नहीं है। फिल्म बनाने में बहुत सारा पैसा खर्च नहीं होता, लेकिन यह फालतू चीजों में चला जाता है।

कृति सैनन

कृति सैनन हिंदी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफल साबित होती जा रही हैं। उन्होंने भी सितारों की टीम के अनावश्यक खर्चों के कारण लगातार महंगे होते जा रहे फिल्म निर्माण पर बात की थी। उन्होंने फिल्म के कंटेंट के महत्व पर बात करते कहा था, फिल्म निर्माण के दौरान कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां बहुत अधिक अनावश्यक खर्च होता है। उन्होंने कहा कि सभी कलाकारों की जिम्मेदारी है कि सेट पर खर्चों को लेकर ध्यान दिया जाए।

करण जौहर

करण जौहर बॉलीवुड का एक बड़ा नाम हैं। वह इस इंडस्ट्री के सफलतम निर्माताओं में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। वह दो दशक से भी ज्यादा का समय इस इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। हाल में ही करण ने भी स्वीकार किया कि आज के समय में फिल्म का निर्माण काफी मंहगा हो गया है। इस दौरान उन्होंने माना की सितारों के साथ चलने वाली उनकी टीमों के खर्चे भी इसका एक अहम कारण हैं। हालांकि, वह सितारों की फीस को इसकी सबसे बड़ी वजह मानते हैं। इसके अलावा भी उनके इतने सारे खर्चे होते हैं, जिससे फिल्में बनाना लगातार मंहगा होता जा रहा है और फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उतनी कमाई नहीं कर पातीं।

नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में नेगेटिव रोल निभाएंगी सत्यमवदा सिंह

टीवी एक्ट्रेस सत्यमवदा सिंह नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी शो में नेगेटिव रोल में नजर आएंगी। वह जीनत का किरदार निभाएंगी। एक्ट्रेस चांद जलने लगा सीरियल की भूमिका के लिए घर-घर में जानी जाती हैं। सत्यमवदा ने कहा कि मैं जीनत का किरदार निभाने के लिए एक्साइटेड हूं। वह मजाकिया, खूबसूरत और मनमौजी लड़की है। यह कॉमिक टाइमिंग वाला एक नेगेटिव रोल है। मैं इस तरह के किरदार का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि वह इस नए सफर को एक्सप्लोर करने के लिए एक्साइटेड हैं। सत्यमवदा ने बताया कि वह फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसे किरदारों को निभाना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि संजय लीला भंसाली सर की हीरामंडी देखने के बाद, मैंने स्क्रीन पर एक मुस्लिम महिला का किरदार निभाने का मन बनाया। मेरी एक और इच्छा है कि मैं उनके प्रोजेक्ट में लीड रोल निभाऊं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मुझे टीवी शो में एक मुस्लिम महिला की भूमिका निभाने का मौका मिलेगा। मुझे यकीन है कि मैं इस नए किरदार को शानदार ढंग से निभा पाऊंगी। नाथ कृष्ण और गौरी की कहानी में चाहत पांडे, अलीशा पंवार और रेयांश वीर चड्ढा भी हैं।

म्यूजिक वीडियो इश्क दवा के लिए शिवांगी शर्मा व अमित टंडन आए साथ

म्यूजिक वीडियो इश्क दवा के लिए पॉप गायिका शिवांगी शर्मा और गायक अमित टंडन एक साथ आए हैं। दोनों कलाकारों द्वारा गाया गया यह गाना रिश्तों में आने वाले अंतरों के बारे में है। गाने के बारे में अपनी उत्सुकता शेयर करते हुए शिवांगी ने कहा, यह कई तरह की भावनाओं के साथ एक बेहतरीन वीडियो सॉन्ग है। यह मौजूदा डेटिंग सिनेरियो के बारे में बात करता है। अमित ने कहा कि सॉन्ग इश्क दवा एक ऐसा गाना है, जो दिखाता है कि वास्तविक जीवन के जोड़ों के साथ क्या होता है जो शुरू में तो प्यार में हो सकते हैं लेकिन समय के साथ उनमें मतभेद बढ़ते हैं, जो रिश्ते को असहनीय बनाते हैं। यह एक ऐसा गाना है जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस करेगा। अपने कामकाजी अनुभव के बारे में अमित ने कहा, पहली बार शिवांगी के साथ काम करना एक बेहतर अनुभव था। अपनी आवाज देने के अलावा उन्होंने मेरे साथ वीडियो में अभिनय भी किया है। उन्होंने जल्दी से समझ लिया और एक तंग आ चुके प्रेमी की भावनाओं को व्यक्त किया, जिसका एक पैर रिश्ते में और दूसरा बाहर था। उनके स्वर उनकी भावनाओं से बिल्कुल मेल खाते थे। अमित की तारीफ करते हुए शिवांगी ने कहा कि अमित के साथ काम करना बेहद आसान है और उन्होंने मेरा काम बहुत आसान कर दिया, क्योंकि जब मैं रिकॉर्डिंग कर रही थी, तो वे वहां मौजूद थे। जब भी जरूरत पड़ी, उन्होंने पंजाबी उच्चारण में मेरी मदद की। शूटिंग के दौरान अमित के अभिनय अनुभव ने मेरे अभिनय को बेहतर बनाया। उन्होंने हर शॉट से पहले मुझे सीन समझाया, इससे रीटेक कम हुए। अमित के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत सहज रहा। इश्क दवा आधुनिक रिश्तों का एक मार्मिक और भरोसेमंद चित्रण होने का वादा करता है। यह 11 जुलाई को अमित टंडन म्यूजिक लेबल के तहत रिलीज होने वाला है। शिवांगी डीजे ब्रावो के साथ अपने गाने पार्टी पार्टी और सेम ओल्ड लाइज के लिए जानी जाती हैं। अमित इंडियन आइडल 1 से मशहूर हुए और कसम तेरे प्यार की, दिल मिल गए और ये है मोहब्बतें जैसे शो का हिस्सा रहे हैं।

क्या पुष्पा वाले फहाद फाजिल ने ठुकराई रजनीकांत और लोकेश कनगराज की कुली?

फहाद फाजिल एक बार फिर चर्चा में हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म आवेशम से खूब वाहवाही लूटी है। हालांकि, अब खबर है कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली में काम करने से इनकार कर दिया है। लोकेश कनगराज के डायरेक्शन में बन रही की इस फिल्म में जब से फहाद की एंट्री की खबर आई थी, फैंस की बांछे खिल गई थीं। हाल ही बताया गया था कि टीम ने पहले ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और जल्द ही फहाद के जुड़ने को लेकर घोषणा की जाएगी। लेकिन अब बताया जा रहा है कि फिल्म के निर्माताओं और फहाद फाजिल के बीच बात नहीं बनी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फहाद फाजिल को अपनी फिल्म में लेने के लिए लोकेश कनगराज खुद बड़े उत्साहित थे। फैंस भी रजनीकांत के साथ पर्दे पर उन्हें देखने के लिए बेताब थे। लेकिन फहाद अपनी दूसरी व्यस्तताओं के कारण कुली की शूटिंग के लिए तारीख नहीं दे पाए। यह सब तब हुआ है जब फहाद और लोकेश के बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। इतना ही नहीं, फहाद लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स का अहम हिस्सा हैं और विक्रम में नजर आए थे। बताया जा रहा है कि मेकर्स ने कुली में रोल निभाने के लिए फहाद फाजिल से मुलाकात भी की थी। उनके रोल और स्क्रिप्ट पर विस्तार से चर्चा भी हुई। लेकिन फहाद ने इस प्रोजेक्ट को साइन करने से मना कर दिया। वह पहले से ही कई प्रोजेक्ट में बिजी हैं। हालांकि, फहाद को रजनीकांत के साथ देखने की तमन्ना जल्द ही पूरी होगी, क्योंकि वह सुपरस्टार की फिल्म वेट्टैयन में अहम भूमिका कर रहे हैं।

एक्शन-थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अहाना कुमरा-अनुष्का रंजन

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी आगामी वेब सीरीज मिक्सचर को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। निर्देशक हनीश कालिया लेकर आ रहे हैं धमाकेदार एक्शन और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज मिक्सचर। सीरीज मिक्सचर में पहली बार अहाना कुमरा और अनुष्का रंजन साथ नजर आएंगी। यह सीरीज क्राइम और सस्पेंस की दुनिया की सच्चाई दिखाएगी। एक्शन-सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज मिक्सचर इस साल रिलीज हो सकती है। प्रसिद्ध अभिनेत्री अनुष्का रंजन मिक्सचर नाम की आगामी वेब सीरीज में नजर आएंगी। यह एक एक्शन-थ्रिलर पर आधारित वेब सीरीज होगी। निर्देशक हनीश कालिया की इस वेब सीरीज में आपको भरपूर सस्पेंस और क्राइम देखने को मिलेगा। यह सीरीज दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगी। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और हनीश कालिया द्वारा निर्देशित, यह सीरीज एक तरह से दर्शकों को अपराध और रहस्य की दुनिया की गहराई में ले जाएगी। इस सीरीज में अनुष्का के साथ अभिनेत्री अहाना कुमरा भी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी वेब सीरीज मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपनी गंभीर स्टोरी और भयानक एक्शन सीन से बांधने में कामयाब रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनुष्का रंजन इस वेब सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं। इस वेब सीरीज में अपनी भूमिका के बारे में अनुष्का ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मैं मिक्सचर का हिस्सा बनकर काफी खुश और रोमांचित हूं। यह एक एक्शन थ्रिलर सीरीज है, जिसे मैंने पहले कभी नहीं किया। यह पहले की गई सभी चीजों से बिल्कुल अलग है। इस फिल्म में मैंने ऐसी चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है, जो मैंने आज से पहले कभी नहीं निभाई। यहां तक कि मैंने इस तरह के रोल की उम्मीद कर नहीं की थी। यह किरदार काफी मुश्किलों भरा रहा। कहानी ऐसे मोड़ों से भरी है, जिसने मुझे पूरी शूटिंग के दौरान तनाव में रखा। मैं इतनी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने और तरह-तरह के स्थानों पर इसकी शूटिंग की गई है। अनुष्का की भूमिका फिल्म के दौरान ऐसी नजर आई, जिसमें अनोखी तेजी और जो मिक्सचर की तेज रफ्तार और मनोरंजक कहानी से पूरी तरह से मेल खाती है।

सरफिरा में राधिका मदान की अदाकारी के मुरीद हुए अक्षय

अक्षय कुमार और राधिका मदान की फिल्म सरफिरा 12 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सरफिरा में राधिका रानी का किरदार निभा रही हैं, जो एक जोशीली और दृढ़ महाराष्ट्रीयन लड़की है। दिल्ली और पुणे में हुई विशेष स्क्रीनिंग में कलाकार शामिल हुए। इस दौरान अक्षय ने अपनी सह कलाकार राधिका की तारीफ की। पुणे में स्क्रीनिंग के दौरान अक्षय ने राधिका के अभिनय की प्रशंसा करते हुए कहा- यह अब तक का मेरा देखा हुआ सर्वश्रेष्ठ अभिनय है। मुझे नहीं पता कि आप सभी उनके बारे में क्या सोचते हैं, वे महाराष्ट्रीयन नहीं हैं, लेकिन उन्होंने महाराष्ट्रीयन की तरह अभिनय किया है। वे बहुत अच्छी बोलती हैं, उनकी भाषा बहुत अच्छी थी और उन्होंने मराठी बोलना और क्या बोलना है, यह सीखने के लिए पूरी कक्षाएं ली हैं।